डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें - 9799559096 0141-4982834

रॉयल पत्रिका

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें? और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

वर्ष : 21 | अंक : 02 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 09 फरवरी से 15 फरवरी 2026 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

विधायक बाबा बालमुकुंद आचार्य ने दरगाह का निर्माण कार्य रुकवाया

-विधायक अमीन कागजी ने विधायक कोटे से दरगाह परिसर में हॉल निर्माण के लिए 20 लाख रुपए दिए हैं

-निर्माण कार्य की परमिशन नगर निगम से थी

-पुलिस की सतर्कता से दो समुदायों के बीच टकराव टला

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। विधायक बाबा बालमुकुंद आचार्य ने चांदपोल गेट के पास सब्जी मंडी के पीछे दरगाह में हो रहे निर्माण कार्य को रुकवा दिया। विधायक बालमुकुंद आचार्य का सत्ताधारी पार्टी का होने के कारण नगर निगम प्रशासन और पुलिस प्रशासन उनके दबाव में दिखाई दिया। सब कुछ कानून के अनुसार और नगर निगम की स्वीकृत होने के बाद भी प्रशासन ने दरगाह परिसर में हॉल निर्माण का कार्य रुकवा दिया। मौके पर ही किशनपोल विधायक अमीन कागजी के पहुंचने के कारण निर्माण स्थल के पास दोनों विधायकों के समर्थक बड़ी संख्या में पहुंच गए। पुलिस प्रशासन की सतर्कता के कारण तनाव को कम किया जा सका। दोनों विधायकों के जाने के बाद पुलिस ने भीड़ को वहां से समझा कर हटा दिया गया।

क्या है मामला:-

विधायक अमीन कागजी ने बताया कि यह करीब 100 वर्ष पुरानी दरगाह है। पहले यहां टीन सेट लगा हुआ था, स्थानीय लोगों के कहने पर यहां एक हॉल और अन्य निर्माण के लिए मैंने विधायक कोटे से 20 लाख रुपए स्वीकृत किए, नगर निगम ने निर्माण कार्य की स्वीकृति दी है। फिर भी हवा महल विधायक बालमुकुंद आचार्य ने विरोध किया है, जबकि यह उनके विधानसभा क्षेत्र में भी नहीं आता है। विधायक बालमुकुंद आचार्य आए दिन जयपुर की गंगा जमुनी तहज़ीब को बिगाड़ने का कार्य कर रहे हैं।

प्रशासन का रवैया:-

दरगाह परिसर में निर्माण कार्य कानूनी अनुमति के अनुसार किया जा रहा था। नगर निगम ने निर्माण कार्य की अनुमति दी है, निर्माण कार्य के लिए फंड भी विधायक कोटे से दिया गया है यानि सरकारी फंड है। स्थानीय लोगों का कोई विरोध भी नहीं है। अभी सत्ताधारी विधायक ने दबाव बनाया और निर्माण कार्य रुकवा दिया। पुलिस प्रशासन भी भाजपा की सरकार होने के कारण दबाव में दिखाई दिया। यह जरूर है कि पुलिस प्रशासन ने दोनों समुदायों में टकराव होने से रोक दिया और शांति कायम की, लेकिन विधायक बाबा बालमुकुंद आचार्य की मनमानी को पुलिस नहीं रोक पाई।

धार्मिक तनाव से विकास के मुद्दे गौण हो जाते हैं:-

बाबा बालमुकुंद आचार्य जयपुर के हवा महल विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक है। उनके विधानसभा क्षेत्र में स्कूल, अस्पताल, सड़कें, गंदी नालियां आबादी क्षेत्र में सफाई जैसी समस्या और युवाओं में बेरोजगारी की समस्या आम बात है। विधायक मूल समस्याओं पर ध्यान न देकर मंदिर-मस्जिद, दरगाह, मीट की दुकान, हिंदू मुस्लिम के मामले में उलझे रहते हैं। विधायक बालमुकुंद आचार्य के धार्मिक मुद्दों को उठाते रहने के कारण जयपुर के विकास के मुद्दे पीछे छुटते जा रहे हैं। जयपुर की जनता शांति एवं भाईचारा पसंद करती है। लेकिन जयपुर में भी अब डर का माहौल बनाया जा रहा है, जो जयपुर वासियों के लिए ठीक नहीं है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया 152 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसान, श्रमिक और पशुपालकों सहित अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश के हर गिरदावर सर्किल पर ग्राम उत्थान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से सरकार स्वयं पात्र लाभान्वितों तक पहुंच रही है और संबंधित कार्यों का त्वरित निस्तारण किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ लेने का आह्वान किया। शर्मा रविवार को रामगढ़ के ग्राम बहाला में आयोजित ग्राम उत्थान शिविर को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने अलवर शहर के लिए 152 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और नागरिक सुविधाओं से जुड़े लोकार्पण और शिलान्यास कार्य शामिल हैं।

गांव बन रहे आत्मनिर्भर और सशक्त:-

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों में देश की आत्मा बसती है। इसी मूल मंत्र के अनुरूप प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गांवों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की रूपरेखा बनाई है। उनके द्वारा प्रारंभ किए गए स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से गांवों को खुले में शौच से मुक्ति मिल रही है। वहीं, प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से करोड़ों परिवारों को पक्के मकान और जल जीवन मिशन के तहत हर घर तक नल से स्वच्छ जल पहुंचाने के कार्य किए जा रहे हैं।

विकसित भारत का संकल्प होगा साकार:-

शर्मा ने कहा कि वीबी जी राम जी कानून में ग्रामीणों को वर्ष में 100 दिन के स्थान पर 125 दिन का रोजगार मिलेगा। इस कानून के अंतर्गत सभी कार्य पूर्ण पारदर्शिता के साथ और आधुनिक तकनीक के माध्यम से होंगे, जिससे श्रमिकों की मजदूरी सीधे उनके खाते में पहुंचेगी। स्थायी संपत्तियों का निर्माण होगा, जिससे गांवों का बुनियादी ढांचा सुदृढ़ होगा। उन्होंने कहा कि इस कानून में नरेगा की खामियों को दूर किया गया है। यह कानून विकसित भारत के संकल्प को साकार करने का सशक्त माध्यम बनेगा।

1 हजार 800 ग्राम उत्थान शिविरों का आयोजन, ग्रामीणों को मिली राहत :-

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक 1800 से ज्यादा ग्राम उत्थान शिविर लगाकर ग्रामीणों को केन्द्र एवं राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया है। इन शिविरों में 1 लाख 34 हजार से ज्यादा सॉइल हेल्थ कार्ड और 65 हजार से अधिक स्वामित्व कार्ड के वितरण के साथ ही 37 हजार किसान क्रेडिट कार्ड के आवेदन लिए गए हैं। इसी प्रकार लगभग साढ़े 6 लाख पशुओं का उपचार और पीएम सूर्य घर योजना के तहत 36 हजार से अधिक का पंजीकरण किया गया है।

राजस्थान में 9 हजार रुपये की किसान सम्मान निधि:-

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने पशुपालकों के उत्थान के लिए मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना प्रारंभ की है। इसके माध्यम से पशुओं का पंजीकरण हो रहा है और तत्काल स्वास्थ्य प्रमाण पत्र भी जारी किए जा रहे हैं। डेयरी उद्योग को सशक्त बनाने की दिशा में प्राथमिक और डेयरी सहकारी समितियों का पंजीकरण किया जा रहा है। वहीं, महिलाओं को संबल प्रदान करने के दृष्टिगत दूध पर 5 रुपये प्रति लीटर का अनुदान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को 9 हजार रुपये की राशि दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के सबका साथ, सबका विकास के मूल मंत्र पर राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

1 लाख युवाओं को सरकारी नियुक्तियां, 1 लाख 54 हजार भर्तियां प्रक्रियाधीन:-

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक 1 लाख से अधिक सरकारी पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी हैं और 1 लाख 54 हजार से अधिक पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं।

शेष पृष्ठ 2 पर....

रकमा ने सभी जिलों एवं ब्लॉकों में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिये

-अल्पसंख्यक वर्ग के कर्मचारियों के अनावश्यक स्थानांतरण के विरोध में दिये ज्ञापन

-रकमा अध्यक्ष अतीक अहमद के नेतृत्व में दिये गए ज्ञापन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान अधिकारी कर्मचारी माइनॉरिटी एसोसिएशन (रकमा) के प्रदेश अध्यक्ष अतीक अहमद के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन जिला कलेक्टर को सौंपा गया। ज्ञापन में मांग की गई कि अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का प्रशासनिक कारण बताकर दूरस्थ स्थानों पर किया जा रहा स्थानांतरण अनीतिगत है और इससे अनावश्यक परेशानी हो रही है। इस पर पुनः विचार कर संशोधन करने का अनुरोध किया गया।

ज्ञापन देने के दौरान प्रदेश महासचिव मोहम्मद हबीब खान, प्रदेश कोषाध्यक्ष रहमतुल्ला, प्रदेश प्रवक्ता मो. इमरान शेख, प्रदेश कार्यालय सचिव हाजी गुलाम रसूल मंसूरी, प्रदेश उपाध्यक्ष वसीम रजा, ज़ाहिद हुसैन (एसएमएस) सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश कमेटी के निर्देश पर राजस्थान अधिकारी कर्मचारी माइनॉरिटी एसोसिएशन (रकमा) के सभी ब्लॉक एवं जिला कमेटियों की ओर से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन उपखंड अधिकारी/ जिला कलेक्टर्स को देकर मांग की है कि राजस्थान में अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशासनिक कारण बताकर दूरस्थ स्थानों पर पद स्थापित/स्थानांतरण किया गया है, जो अल्पसंख्यक वर्ग के कर्मचारियों को अनावश्यक रूप से परेशान किया जाना है। यह कर्मचारियों के मनोबल गिरने के साथ-साथ अन्याय पूर्ण व अनीतिगत है।

भरतपुर में एसीबी की बड़ी कार्रवाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा विभाग में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो कनिष्ठ अभियंताओं को रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा, 23 हजार 400 रुपये की रिश्वत लेते पकड़े आरोपी धीरेन्द्र श्रीवास्तव और राकेश कुमार गुप्ता एडीपीसी समग्र शिक्षा कार्यालय में कार्यरत सुरक्षा जमा राशि जारी करने के बदले 7.1 प्रतिशत रिश्वत की मांग की गई थी।

सुमन आरा को पीएचडी की उपाधि मिली

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आरएनबी ग्लोबल यूनिवर्सिटी, बीकानेर से सुमन आरा पुत्री मोहम्मद सलीम सोढा, पत्नी शाहनवाज पड़िहार ने विधि (कानून) में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। सुमन आरा का शोध विषय "संरक्षणात्मक विभेद: आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आरक्षण के संदर्भ में एक विश्लेषणात्मक अध्ययन" रहा। यह शोध कार्य आरएनबी ग्लोबल यूनिवर्सिटी, बीकानेर से पर्यवेक्षक प्रो. डॉ. अनिल कौशिक के निर्देशन में पूर्ण हुआ। शोध में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण व्यवस्था के सामाजिक, संवैधानिक एवं संरचनात्मक पहलुओं का गहन विश्लेषण किया गया है। सुमन आरा के इस शोध कार्य की विद्वत परिषद द्वारा सराहना की गई। इस उपलब्धि पर उनके परिवारजनों, गुरुजनों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

क्या आरएसएस का मंच सभी मुसलमानों के लिए खुला है या सिर्फ सलमान खान के लिए - राउत

नई दिल्ली। RSS के 100 वर्ष पूरे होने पर 7 फरवरी को आयोजित सरसंघचालक मोहन भागवत के दो दिवसीय व्याख्यान कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की मौजूदगी के बाद सियासी बहस तेज हो गई है। शिवसेना (UBT) नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने इस पर तंज कसते हुए संघ से कई सवाल पूछे। राउत ने कहा कि क्या RSS का मंच सभी मुसलमानों के लिए खुला है या सिर्फ सलमान खान जैसे बड़े सेलिब्रिटी तक सीमित है। उन्होंने इसे प्रतीकात्मक कदम बताते हुए कहा कि एक अभिनेता को बुलाने से सामाजिक समरसता का संदेश पूरा नहीं होता। राउत ने सवाल उठाया कि क्या सलमान खान को उनकी लोकप्रियता और भीड़ जुटाने की क्षमता के कारण आमंत्रित किया गया। उन्होंने मांग की कि संघ स्पष्ट करे कि क्या भविष्य में मुस्लिम समाज के अन्य लोगों के लिए भी मंच और शाखाओं के दरवाजे खोले जाएंगे। राउत ने बताया कि उन्हें भी कार्यक्रम का निमंत्रण मिला था, लेकिन पूर्व तय कार्यक्रमों के कारण वे शामिल नहीं हो सके। साथ ही उन्होंने बीएमसी मेयर रितु तावड़े के बांग्लादेशियों पर दिए बयान और केंद्र सरकार की भूमिका पर भी सवाल उठाए।

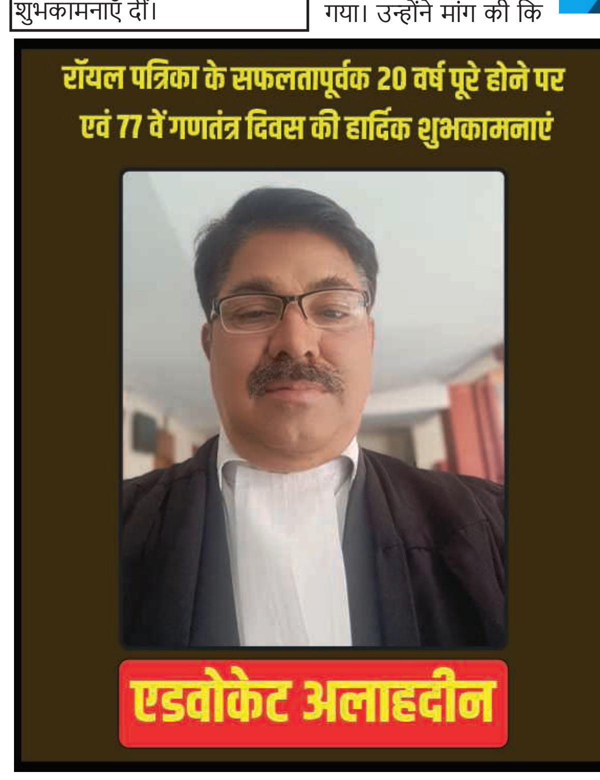

NSUI द्वारा युवाओं का युद्ध-ड्रग्स के विरुद्ध नशा मुक्ति जनजागरण अभियान के अंतर्गत "छात्र संवाद" कार्यक्रम संपन्न

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। एनएसयूआई द्वारा युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से जागरूक करने हेतु "युवाओं का युद्ध-ड्रग्स के विरुद्ध" नशामुक्ति जनजागरण अभियान के अंतर्गत "छात्र संवाद" कार्यक्रम का आयोजन विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी जगतपुरा, जयपुर में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता एनएसयूआई प्रदेशाध्यक्ष विनोद जाखड़ ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि युवाओं के प्रेरणास्रोत एवं मार्गदर्शक, राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट रहे। मुख्य अतिथि सचिन पायलट ने कहा कि "नशा आज युवाओं के भविष्य के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। नशा केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को खोखला करता है। युवा यदि जागरूक हो और नशे से दूर रहें तो देश को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। हमें मिलकर नशे के खिलाफ जनआंदोलन खड़ा करना होगा।" एनएसयूआई प्रदेशाध्यक्ष विनोद जाखड़ ने नशे के खिलाफ कड़ा संदेश देते हुए कहा कि "आज नशा युवाओं की ऊर्जा, सोच और सपनों को खत्म कर रहा है। एनएसयूआई इस बुराई के खिलाफ हर कॉलेज, हर विश्वविद्यालय और हर गांव तक पहुंचेगी। हम युवाओं

को यह विश्वास दिलाते हैं कि नशा नहीं, शिक्षा, संघर्ष और संगठन ही उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है। नशे के सौदागरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए और युवाओं को साहस के साथ नशे को ना कहना होगा।" कार्यक्रम के अंत में विनोद जाखड़ ने पधारे सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं जनसमूह को नशा न करने की शपथ दिलाई। इस दौरान विश्वविद्यालय के डायरेक्टर के. राम बगेडिया, विधायक मनीष यादव, प्रशांत शर्मा, डीसी बैरवा, पीतराम काला, विधायक एवं युवा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष अभिमन्यु पूनिया, जयपुर ग्रामीण लोकसभा प्रत्याशी अनिल चौपड़ा, पूर्व विधायक जी.आर. खटाना, राकेश पारीक, वेदप्रकाश सोलंकी, पीसीसी सचिव इमराम कुरैशी सहित अनेक गणमान्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय प्रशासन सहित हजारों की संख्या में युवा मौजूद रहे।

जिले के 90 हज यात्रियों को मिला प्रशिक्षण व टीकाकरण, जामा मस्जिद हॉल में हुआ आयोजन

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। हज-2026 में चयनित हज यात्रियों को पवित्र हज यात्रा के दौरान किए जाने वाले अरकान, विभिन्न धार्मिक गतिविधियों, स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों, टीकाकरण और व्यवस्थागत दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से गुरुवार को जामा मस्जिद स्थित हॉल शहर सवाई माधोपुर में प्रशिक्षण एवं टीकाकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मनोज कुमार मीना ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु स्टेट हज कमेटी द्वारा हाजी गुलाम मोहम्मद, रईस मोहम्मद सहित अन्य प्रशिक्षकों की नियुक्ति

की गई। वहीं, अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय की ओर से शिक्षा अनुदेशकों को सहयोग हेतु लगाया गया। इस अवसर पर चिकित्सा विभाग द्वारा प्रशिक्षित चिकित्सा कार्मिकों की नियुक्ति कर हज यात्रियों के लिए शारीरिक दक्षता प्रमाण-पत्र जारी करने एवं आवश्यक टीकाकरण की व्यवस्था की गई। समन्वित प्रयासों से हज प्रशिक्षण एवं टीकाकरण शिविर का सफल आयोजन सुनिश्चित किया गया। इस अवसर पर सवाई माधोपुर जिले से चयनित कुल 90 हज यात्रियों ने भाग लिया और हज यात्रा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की। कमेटी की ओर से सभी हाजियों के लिए खाने की व्यवस्था की गई। कैंप में कॉफी का इंतजाम खिदमतगार ग्रुप की तरफ से किया गया।

राष्ट्रीय आर्किटेक्चर फेस्टिवल में जयपुर की मानसी शर्मा का परचम

- प्रथम स्थान हासिल कर प्रदेश को दिलाया गौरव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर स्थित जेईसीसी में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के आर्किटेक्चर फेस्टिवल में जयपुर की होनहार प्रतिभा मानसी शर्मा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया और राष्ट्रीय पुरस्कार अपने नाम किया। यह प्रतिष्ठित सम्मान उन्हें केंद्रीय संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल द्वारा प्रदान किया गया। मानसी शर्मा की इस उल्लेखनीय उपलब्धि ने न केवल जयपुर बल्कि पूरे प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। उनके अभिनव दृष्टिकोण, रचनात्मक सोच और तकनीकी दक्षता की

विशेषज्ञों द्वारा विशेष सराहना की गई। इस राष्ट्रीय आर्किटेक्चर फेस्टिवल में देशभर से आए प्रतिभागी, प्रख्यात वास्तुविद् एवं विषय विशेषज्ञ उपस्थित रहे। कड़े प्रतिस्पर्धी माहौल में मानसी शर्मा का प्रथम स्थान प्राप्त करना उनकी प्रतिभा और मेहनत का प्रमाण है। उनकी इस सफलता से युवाओं और वास्तुकला के क्षेत्र में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को नई प्रेरणा मिली है।

गुरु शिष्य संगम समारोह का पोस्टर का विमोचन

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। किशनगढ़ रेनवाल कस्बे के श्री हरी रतन मैरिज गार्डन में आगामी 08 मार्च को फ्रेंड्स क्लब के तत्वावधान में होने वाले गुरु शिष्य संगम समारोह का पोस्टर विमोचन किया । शिक्षाविद रामावतार शर्मा, घनश्याम कुमावत, मनोहर लाल दायमा, रामनिवास मौर्य, मोहन लाल जाटावत, मोती लाल उज्जैनिया ने किया कार्यक्रम कॉर्डिनेटर शिशुपाल सेपट ने बताया कि कार्यक्रम में राजकीय मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी उच्च माध्यमिक विद्यालय में 2004 से पूर्व शिक्षण करवाने वाले शिक्षक का सम्मान किया जाएगा। इस अवसर पर प्रभु यादव, संजय कुमार वर्मा, राकेश मारोठिया, जितेंद्र कुमावत, संतोष सांखला, मनोज पाटोदिया, विकास भंडारी, डॉ. लक्ष्मी नारायण सामरिया, संजय दायमा, सोहन सामोता, नन्द किशोर कुमावत, विष्णु मनोहर, सुरेंद्र जांगिड़ सहित कई पूर्व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कुंवर दिगराज सिंह शाहपुरा ने विद्यालय के वार्षिकोत्सव में बच्चों को खेल सामग्री भेंट की

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय महासचिव, ऑल इंडिया किसान कांग्रेस, कुंवर दिगराज सिंह शाहपुरा ने जयपुर ग्रामीण के गुरुकुल शिक्षण संस्थान उच्च माध्यमिक विद्यालय हरचन्दपुरा, कंवरपुरा के वार्षिकोत्सव समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर विद्यार्थियों को क्रिकेट किट की खेल सामग्री भेंट की। इस अवसर पर बच्चों के उत्साह और चेहरे पर झलकती खुशी ने पूरे समारोह को ऊर्जा और उमंग से भर दिया। कार्यक्रम के दौरान जब विद्यार्थियों ने स्वयं आगे बढ़कर खेल सामग्री की मांग रखी, तो कुंवर दिगराज सिंह शाहपुरा ने तत्काल सकारात्मक पहल करते हुए उन्हें आवश्यक खेल उपकरण उपलब्ध करवाए। उन्होंने कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का निर्माण भी करता है। कुंवर दिगराज सिंह शाहपुरा ने अपने संबोधन में कहा कि आज के समय में बच्चों को मोबाइल और डिजिटल दुनिया से बाहर निकालकर खेल के मैदान से

जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। खेल से ही स्वस्थ शरीर और स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने यह भी कहा कि ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, केवल उन्हें सही अवसर और संसाधनों की आवश्यकता है। विद्यालय प्रबंधन एवं अभिभावकों ने दिगराज सिंह शाहपुरा के इस सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस पहल से बच्चों में खेल के प्रति नई ऊर्जा और प्रेरणा उत्पन्न हुई है। कुंवर दिगराज सिंह शाहपुरा ने आश्वस्त किया कि वे भविष्य में भी शिक्षा और खेल के क्षेत्र में बच्चों को प्रोत्साहित करने हेतु निरंतर सहयोग करते रहेंगे। उनका यह कदम समाज में सकारात्मक संदेश देने के साथ-साथ युवा पीढ़ी को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है।

ग़ज़ल

अदीब हैं, तो अदब से ख़्वाब लिखने लगे
ख़ुमार आंख में भरकर सवाब लिखने लगे
कौन रोकेगा अब ज़माना तो हमारा है
जिस को चाहा उसको गुलाब लिखने लगे
किस की हिम्मत यहां सवाल कौन करे
बग़ैर सवाल के लोगों जवाब लिखने लगे
मस्त मौला की तरह लोग जो रहते हैं
वो भी बनिये सा खुद हिसाब लिखने लगे
रास्ते दिल के दुशवार करने वालों ने
बिछाए कांटों को कोमल गुलाब लिखने लगे
इतना बदलाव भी हो जाएगा सोचा न था
के बेहयाई को कैसे हिजाब लिखने लगे
क़लम के ख़ून में रंगत नहीं हरक़त भी नहीं
खिलाफ क़ौम के अब बेहिसाब लिखने लगे
शहर जला है मगर दिल अभी भरा ही नहीं
मीनार बाक़ी है उसकी किताब लिखने लगे
ये बूंद - बूंद में यह इज़्तराब कैसा है
रवानगी का फिर झेलम चिनाब लिखने लगे

-फ़ज़लुर्रहमान

हज करने से मुसलमानों को दुनिया और आखिरत में सफलता प्राप्त होती है - डॉक्टर रिज़वान अहमद

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका) । राजकीय यूनानी चिकित्सालय ताला के डॉक्टर रिज़वान अहमद ने कहा कि खुदा सबके दिल के अरमान पूरा करें यह शब्द डॉक्टर रिज़वान अहमद ने जामा मस्जिद मोहल्ला में डॉक्टर इमरान खान सीनियर मेडिकल ऑफिसर गोरवमेंट ऑफ राजस्थान व उनके साथ मे गए हुए लोगों का इस्तक़बाल करने के बाद में उपस्तिथ लोगों को संबोधित करते हुए कहे।

डॉक्टर रिज़वान अहमद ने कहा कि हज करने के कई लाभ हैं, जिनमें से कुछ प्रमुख लाभ निम्नलिखित हैं:

पापों की माफी :- हज करने से मुसलमानों के पाप माफ हो जाते हैं और वे अपने जीवन को नए सिरे से शुरू कर सकते हैं।

आध्यात्मिक शुद्धि :- हज करने से मुसलमानों की आत्मा शुद्ध होती है और वे अपने जीवन को अल्लाह की राह में समर्पित करने का संकल्प लेते हैं।

एकता और भाईचारा :- हज करने से मुसलमानों को दुनिया भर के मुसलमानों के साथ एकता और भाईचारे का अनुभव होता है।

स्वयं की पहचान :- हज करने से मुसलमानों को अपनी स्वयं की पहचान और अपने जीवन के उद्देश्य का पता चलता है।

अल्लाह की निकटता :- हज करने से मुसलमानों को अल्लाह की निकटता का अनुभव होता है और वे अपने जीवन को अल्लाह की राह में समर्पित करने का संकल्प लेते हैं।

दुनिया और आखिरत की सफलता :- हज करने से मुसलमानों को दुनिया और आखिरत में सफलता प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि हज करने के ये लाभ मुसलमानों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं और वे अपने जीवन को अल्लाह की राह में समर्पित करने के लिए प्रेरित होते हैं।

बिना डॉक्टर की सलाह के लेते हैं सर्दी-खांसी की दवाई जो कि गलत हैं - डॉक्टर रिजवान अहमद

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। ज्यादातर लोग डॉक्टर के पास जाने के बजाय सीधे मेडिकल स्टोर पर जाकर सर्दी-खांसी और बुखार की दवा ले लेते हैं। राजकीय यूनानी चिकित्सालय ताला के यूनानी डॉक्टर रिज़वान अहमद ने बताया कि बिना सलाह दवा लेने की यह आदत आगे चलकर दिल, दिमाग, लिवर और किडनी तक को नुकसान पहुंचा सकती है। लोग अक्सर इनके साइड इफेक्ट्स जाने बिना ही इनका सेवन शुरू कर देते हैं। अगर व्यक्ति पहले से कोई दूसरी दवा ले रहा हो तो दवाओं के आपसी रिएक्शन का खतरा भी बढ़ जाता है।

अवैध मादक पदार्थ स्मैक के साथ एक मुल्जिम को किया गिरफ्तार

-मुल्जिम के कब्जे से 2.84 ग्राम स्मैक जप्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। एनडीपीएस अधिनियम, आबकारी अधिनियम (अवैध शराब) एवं शस्त्र अधिनियम के तहत चलाये गये अभियान में संजीव नैन आईपीएस पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व, ने जिला जयपुर पूर्व में उक्त अभियान के तहत नशीले मादक पदार्थ की रोकथाम के लिए मादक पदार्थ विक्रेताओं व तस्करों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु सभी थानाधिकारियों को विशेष निर्देश दिये गये थे। उक्त अभियान एवं आदेश की अनुपालना में पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी थाना सांगानेर के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। दिनांक 06.02.2026 को पुलिस थाना सांगानेर पर गठित टीम द्वारा अभियान के तहत कार्यवाही करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक बेचने वाले मुल्जिम. मोहन योगी पुत्र शिवराज नाथ के खिलाफ कार्यवाही करते हुए 8/21 एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण पंजीबद्ध कर अवैध मादक पदार्थ स्मैक के प्राप्ति स्त्रोत व तस्करी में संलिप्त अन्य आरोपियों के बारे में पूछताछ व अनुसंधान जारी है।

नाहरगढ़ जैविक उद्यान में वन्यजीवों के दीदार के लिए उमड़ा सैलानियों का सैलाब

-वर्ष 2026 में महज 39 दिनों में 57 हजार से अधिक पर्यटकों का आगमन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर का नाहरगढ़ जैविक उद्यान सैलानियों की पहली पसंद बनता जा रहा है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2026 के अब तक के मात्र 39 दिनों में 57 हजार से अधिक पर्यटक उद्यान में वन्यजीवों के दीदार कर चुके हैं। एसीएफ देवेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि रविवार को बदलते मौसम का सुहावना मिजाज और अवकाश के दिन का उत्साह बड़ी संख्या में पर्यटकों को नाहरगढ़ जैविक उद्यान की ओर खींच लाया। इस दौरान कुल 3,177 सैलानियों ने उद्यान का भ्रमण कर वन्यजीवों को नजदीक से देखने का अनुभव प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि इस दौरान लायन सफारी और टाइगर सफारी पर्यटकों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रहीं। कुल 284 पर्यटकों ने दोनों सफारियों का रोमांचक अनुभव लिया। बाघों की गर्जना और शेरों की शाही चाल ने सैलानियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नाहरगढ़ जैविक उद्यान में संचालित टाइगर सफारी और लायन सफारी इन दिनों न केवल जयपुरवासियों बल्कि बाहर से आने वाले पर्यटकों के लिए भी विशेष आकर्षण बनी हुई हैं। शहर के समीप प्राकृतिक हरियाली और

वन्यजीवों का यह संगम पर्यटकों को पारिवारिक सैर के साथ रोमांच का अनूठा अनुभव प्रदान कर रहा है। उप वन संरक्षक विजयपाल सिंह के निर्देशन में उद्यान में पर्यटकों की सुरक्षा, सुविधाओं और व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। एसीएफ देवेन्द्र सिंह राठौड़ एवं रेंजर शुभम शर्मा द्वारा रविवार को सफारियों की सघन मॉनिटरिंग कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। एसीएफ देवेन्द्र सिंह राठौड़ की देखरेख में टूरिज्म मैनेजमेंट टीम द्वारा सफारी संचालन एवं भीड़ नियंत्रण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की गई। पर्यटकों को टिकटिंग, वाहन सुविधा, मार्गदर्शन एवं स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं में पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया। वन विभाग की सतत निगरानी एवं सुव्यवस्थित प्रबंधन के चलते नाहरगढ़ जैविक उद्यान आज राज्य के प्रमुख और लोकप्रिय वन्यजीव पर्यटन स्थलों में शुमार हो गया है। यह उद्यान न केवल पर्यावरण संरक्षण का सशक्त उदाहरण है, बल्कि पर्यटकों के लिए शिक्षाप्रद एवं मनोरंजक अनुभव का केंद्र भी बनता जा रहा है। इस अवसर पर राजाराम मीणा, विजेंद्र चौधरी, दलीप सिंह शेखावत, सोनू मीणा, कैलाश चंद्र, सरिता चौधरी, गोकुल मीणा, बसंती गुर्जर, विमला मीणा, हंसा कुमारी, बनवारी लाल शर्मा, ओम प्रकाश, सुरेश चंद मीणा, भंवर सिंह आमला सहित अन्य कार्मिकों ने व्यवस्थाओं में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

सूचना

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में अगले अंकों से वक़्फ़ बोर्ड, वक़्फ़ कमेटियों, मदरसा बोर्ड, मदरसों के संचालन, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजनाओं, राजस्थान अल्पसंख्यक आयोग, हज कमेटी, मुस्लिम विधायक, पूर्व विधायक, मुस्लिम क्षेत्रों के विकास, शिक्षा, रोज़गार, मुस्लिम शख्सियत, समाजसेवी, व्यवसायी आदि से संबंधित खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

अत: पाठकों एवं अन्य से निवेदन है कि उपरोक्त विषय से जुड़ी जानकारी रॉयल पत्रिका के कार्यालय के पते, E-mail Address-royalpatrika@gmail.com या व्हाट्सएप (8058969180) पर भेजने की मेहरबानी करें।

-संपादक, रॉयल पत्रिका

पृष्ठ एक का शेष....

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया 152 करोड़ रुपये से अधिक........

वहीं, इस वर्ष के लिए 1 लाख सरकारी पदों पर भर्ती का कैलेंडर जारी किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के दो वर्ष के कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ। सभी प्रतियोगी परीक्षाएं एवं नियुक्तियां पारदर्शिता के साथ हुई हैं। शर्मा ने युवाओं से मन लगाकर पढ़ाई करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नवीन युवा नीति भी लेकर आई है, जिसमें युवाओं को बिना ब्याज का ऋण दिया जाएगा। इससे युवा रोजगार प्रदाता बनेंगे।

विकसित राजस्थान का मार्ग हो रहा प्रशस्त - केन्द्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री:-

केन्द्रीय वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री की पहल पर आयोजित ग्राम उत्थान शिविरों के माध्यम से डेयरी, सौर ऊर्जा आदि के कार्य सुगमता से हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार और प्रधानमंत्री की गरीब कल्याण की अवधारणा के अनुरूप प्रदेश में जनकल्याण के कार्य किए जा रहे हैं। सबका साथ, सबका विश्वास सुनिश्चित करते हुए विकसित राजस्थान का मार्ग तेजी से प्रशस्त हो रहा है। यादव ने अलवर में साढ़े 5 लाख लीटर क्षमता की डेयरी के लिए 250 करोड़ रुपये की स्वीकृति हेतु मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अलवर जिले का निरंतर विकास हो रहा है। रामजल सेतु लिंक परियोजना, महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज, अलवर शहर में जलापूर्ति, कन्या महाविद्यालय जैसी महत्वपूर्ण सौगातें मिली हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की पहल पर जिले में जल संरक्षण के अहम कार्य किए जा रहे हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री ने ग्राम उत्थान शिविर में 12 विभागों की स्टॉल का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चैक, प्रमाण पत्र तथा 4 विशेष योग्यजनों को इलेक्ट्रिक व्हील चेयर सौंपी। इस दौरान विधायक महंत बालकनाथ, जसवन्त सिंह यादव, सुखवंत सिंह, रमेश खींची सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

हमें अंतर्राष्ट्रीय सांप्रदायिक शक्तियों की साज़िशों को समझना होगा - हाफ़िज़ मंज़ूर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जमीयत उलेमा-ए-हिंद राजस्थान के प्रदेश उपाध्यक्ष हाफ़िज़ मंज़ूर अली ख़ान ने कहा कि मुसलमानों के इत्तेहाद को कमज़ोर करने के लिए पूरी दुनिया की सांप्रदायिक ताक़तें एकजुट हो गई हैं और जब ईरान अमेरिका और इज़रायल की आंख से आंख मिलाकर उनकी धमकियों का जवाब दे रहा है और विश्व के सुन्नी मुसलमान और कई मुस्लिम हुकूमतें उनका समर्थन कर रही हैं तो अब यह सांप्रदायिक ताक़तें मुसलमानों के इत्तेहाद को तोड़ने के लिए शिया सुन्नी को आपस में एक दूसरे के ख़िलाफ़ करने की कोशिशें कर रही हैं जिसकी एक मिसाल पाकिस्तान में जुमे की नमाज़ में एक धमाके के ज़रिए तक़रीबन तीस शिया मुसलमानों को शहीद करके हमारे सामने आई है। मुसलमानों को यह समझना चाहिए कि ऐसी घटनाएं अब शिया सुन्नी के आपसी इख़्तिलाफ़ की वजह से नहीं हो रही है बल्कि यह अंतर्राष्ट्रीय साज़िशों का हिस्सा हैं जिन्हें सांप्रदायिक शक्तियों के एजेंट्स के ज़रिए अंजाम दिया जा रहा है। हमें मिलकर ऐसे हादसात की पुरज़ोर मज़म्मत करनी चाहिए, इसके साथ ही अपने इत्तेहाद को और ज़्यादा मज़बूत करने की कोशिशें करनी चाहिए ताकि दुश्मनाने इस्लाम के मंसूबों को नाकाम बनाया जा सके। इसके साथ ही हमें विश्व के सभी देशों में अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए भी आवाज़ उठानी चाहिए चाहे वो बांग्लादेश या पाकिस्तान में हिंदुओं के लिए हों, चाहे वो भारत में मुस्लिम, ईसाई, सिख और पिछड़े समुदायों के लिए हों। उन्होंने कहा कि इन दिनों भारतीय उपमहाद्वीप में सामाजिक असहिष्णुता बहुत तेज़ी के साथ बढ़ रही है पिछले कुछ अरसे से भारत के विभिन्न हिस्सों में ज़िम्मेदार पदों पर बैठे लोग सांप्रदायिक हिंसा को बढ़ावा देने में व्यस्त हैं जिसका ताज़ा उदाहरण असम व उत्तराखंड में देखने को मिल रहा है। पड़ोसी देश बांग्लादेश में भी सांप्रदायिक घटनाएं सामने आ रही हैं। इस प्रकार की घटनाएं मानवता को शर्मसार करने वाली हैं। हमें नफ़रत को ख़त्म करके भाईचारा बढ़ाने और समाज व देश की तरक़्क़ी के लिए मिलजुल कर प्रयास करने चाहिए। हम मुस्लिम समुदाय से विशेष अपील करते हैं कि इस्लाम का मतलब सलामती है अतः जो समाज सलामती का अलमबरदार हो उसको यह शोभा नहीं देता कि उसकी आंखों के सामने मानवता का ख़ून होता रहे और वह ख़ामोश तमाशाई बना रहे। मुस्लिम समाज की ज़िम्मेदारी है कि वह ज़ुल्म के ख़िलाफ़ उठ खड़ा हो और दुनिया में जहां कहीं भी ज़ुल्म हो रहा हो उसके ख़ात्मे की कोशिश करे।

शेख हसीना को बांग्लादेश की कोर्ट ने 10 साल की सुनाई सजा

-भ्रष्टाचार से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली। बांग्लादेश की एक विशेष अदालत ने सोमवार को अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को भ्रष्टाचार के दो अलग-अलग मामलों में 10 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। यह मामला राजधानी ढाका के बाहरी इलाके पूर्वाचल में 'राजुक न्यू टाउन प्रोजेक्ट' के तहत सरकारी आवासीय भूखंडों (प्लाट्स) के आवंटन में अनियमितताओं से जुड़ा है। अदालत ने पाया कि 79 वर्षीय हसीना ने अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करते हुए अपने रिश्तेदारों को अवैध रूप से जमीन आवंटित की थी।

शेख हसीना को भ्रष्टाचार के दो मामलों में 10 साल की सजा:-

ढाका विशेष न्यायाधीश न्यायालय-4 के न्यायाधीश रबीउल आलम ने हसीना के साथ-साथ उनके करीबियों को भी सजा सुनाई। हसीना की भतीजी और ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप सिद्दीक, उनके भाई रादवान मुजीब सिद्दीक 'बाबी' और बहन अजमान सिद्दीक को सात साल के सश्रम कारावास की सजा दी गई है। इस मामले में कुल 16 आरोपित थे, जिनमें से अधिकांश की अनुपस्थिति में सुनवाई हुई। अन्य दोषियों में पूर्व आवास मंत्री, पूर्व सचिव और राजुक के पूर्व अध्यक्ष शामिल हैं, जिन्हें 5-5 साल की जेल हुई है। केवल एक वरिष्ठ अधिकारी खुर्शीद आलम अदालत में मौजूद थे।

हसीना के रिश्तेदारों और अधिकारियों को भी मिली सजा:-

शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने इस फैसले को 'पूर्वनुमानित' बताते हुए इसे मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार द्वारा रचित 'झूठा और दुर्भावनापूर्ण' मामला करार दिया है। वहीं, ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप सिद्दीक ने पूरी प्रक्रिया को 'हास्यास्पद' बताते हुए कहा कि उन्हें कोई आधिकारिक समन या चार्जशीट नहीं मिली और वे कानूनी विशेषज्ञों की सलाह ले रही हैं। पूर्व के कड़े फैसले अगस्त 2024 में तख्तापलट के बाद से हसीना भारत में निर्वासन में हैं। इससे पहले एक विशेष न्यायाधिकरण ने उन्हें 'मानवता के खिलाफ अपराध' के लिए मौत की सजा सुनाई थी। बीते वर्ष नवंबर में भी उन्हें एक अन्य भ्रष्टाचार मामले में 21 साल की जेल हो चुकी है।

रॉयल ऑक्सफोर्ड सी. सैकेंडरी स्कूल में विदाई समारोह सम्पन्न

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थानी कला व संस्कृति की थीम के आधार पर वार्षिक और विदाई समारोह का आयोजन गुलाबगढ़ जयपुर में किया गया। समारोह का शुभारंभ विद्यालय परिसर के डायरेक्टर मोहम्मद अशहर ने सभी विद्यार्थियों को माल्यार्पण कर किया। विद्यार्थियों ने गुलाबगढ़ में राजस्थानी कला, राजस्थानी नृत्य – साहित्य के बारे में ज्ञान प्राप्त किया। विद्यार्थियों के लिए विशेष 12वीं कक्षा के बाद के कैरियर ऑप्शन पर प्रकाश डाला गया और सभी अध्यापकगणों ने विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य की कामना की। विद्यार्थियों ने घुड़सवारी, ऊंट सवारी, खेल जैसे कई कार्यक्रमों में सक्रियता से भाग लिया और अपने वर्षभर के अनुभव को और यादगार बनाया। इसके साथ ही विद्यार्थियों में से "Mr. Farewell", "Ms. Farewell", "Best Personality", "Most Talented" जैसे मजेदार और प्रेरणादायक खिताबों के साथ विद्यार्थियों को नवाज़ा गया साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को स्मृति चिन्ह और गिफ्ट्स प्रदान किए गए। यह विदाई समारोह विद्यार्थियों के लिए न केवल एक अलविदा था, बल्कि एक नए सफर की शुरुआत का प्रतीक था। छात्रों ने स्कूल परिवार का धन्यवाद किया और वादा किया कि वे हमेशा "रॉयल ऑक्सफोर्डियन" रहेंगे। स्कूल प्रबंधन ने आगामी बोर्ड परीक्षाओं के लिए छात्रों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

आइडियल पब्लिक स्कूल में मिलन समारोह सम्पन्न

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शेख सैयद पठान अनारक्षित मुस्लिम समाज समिति के तत्वावधान में रविवार को आइडियल पब्लिक स्कूल, लंकापुरी, शास्त्री नगर, जयपुर में गेट-टुगेदर (मिलन समारोह) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मो. इमरान शेख ने कुरान करीम की तिलावत से की, जबकि सदारत प्रदेश अध्यक्ष हाजी शेख शराफत हुसैन ने की। इस मौके पर चयनित पदाधिकारियों का इस्तक़बाल किया गया। बैठक में अहम फैसले लिए गए, जिनमें बोर्ड एग्जाम के बाद प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करना, समाज में व्याप्त कुरीतियों व गलत रिवाजों को खत्म करने तथा सदस्यता अभियान को तेज़ करने का संकल्प शामिल है। करीब 15 साथियों ने तंज़ीम की आजीवन सदस्यता ग्रहण की। कई साथियों ने साल में एक बार इज्तेमाई शादी और एक वार्षिक मिलन समारोह आयोजित करने का सुझाव दिया, जिसकी प्रदेश महासचिव जाहिद अली ने सराहना की। उन्होंने सभी साथियों से अहद लिया कि कौम-ओ-मिल्लत की फ़िक्र के साथ तंज़ीम को नई बुलंदियों तक पहुंचाया जाएगा।

ब्राइट फ्लॉवर्स सैकेंडरी स्कूल में हेल्थ कैंप लगाया गया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। इस्लामिया एज्युकेशनल सोसाइटी एनजीओ के ज़ेरे निगरानी में चलने वाले ब्राइट फ्लॉवर्स सैकेंडरी स्कूल और मदरसा ब्राइट फ्लावर्स स्कूल नाहरी का नाका शास्त्री नगर जयपुर में 05 फरवरी 2026 को हेल्थ कैंप लगाया गया जिसमें चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉक्टरों द्वारा बच्चों का वेट व हाइट नोट कर जांच की गई एवं ENT वाले बच्चों को हॉस्पिटल बुला कर उनका सही तरीके से ट्रीटमेंट करने की बात कही।

डॉक्टरों द्वारा बच्चों को उनके स्वास्थ्य से संबंधित चीजों के बारे में भी काफी अच्छे तरीके से समझाया गया, जिसमें बच्चों ने भी अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की। कैंप के अंत में सचिव अब्दुल मजीद द्वारा बताया गया कि उक्त एनजीओ द्वारा इस तरह के कैंप पहले भी लगाए गए हैं एवं आगे भी लगाए जाएंगे जिसमें बच्चों और बड़ों दोनों को उसका लाभ मिल सकेगा।

नगर निगम ने एक दिन में वसूले 57 लाख 22 हजार रूपये

-झोटवाड़ा/वैशाली नगर जोन में कुर्की की बडी कार्यवाही

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार जोन स्तर पर नगरीय विकास कर वसूलने के वृहद प्रयास किये जा रहे हैं। उपायुक्त झोटवाड़ा/वैशाली नगर जोन श्रीमती मनीषा यादव के नेतृत्व में गुरूवार को 6 सम्पत्तियों के नगरीय विकास कर बकाया होने पर कुर्की की कारवाई की गई जिसमें से 1 सम्पत्तिधारक द्वारा मौके पर ही राज्य सरकार द्वारा वर्तमान में ब्याज पैनल्टी पर देय छूट का लाभ लेते हुए संपत्ति पर बकाया नगरीय विकास कर राशि निगम कोष में जमा करवाई गई। जिसके पश्चात् कुर्क की गई 6 सम्पत्तियों में से 1 सम्पत्तिधारक की सम्पत्ति कुर्क मुक्त कर दिया गया। उपायुक्त श्रीमती मनीषा यादव के नेतृत्व में राजस्व अधिकारी पारूल सोनी व टीम द्वारा रिषभ भाटू, 200 फीट चैराहा, हीरापुरा अपो. गर्व स्कूल कमला बुधियां, मयूर गार्डन राषि 95 लाख 63 हजार 504, स्टार यूनिटी, 601 गौतम मार्ग एवरशाइन टावर वैशाली नगर राषि 80 हजार 821, यषवर्धन दुकिय, 60 नागौर नगर, बदरवास, राषि 2 लाख 94 हजार 335, प्रोपर्टी ऑनर, शॉप नं. 48 वैशाली नगर, अपोजिट ए ब्लॉक राषि 1 लाख 26 हजार 938, आषारानी आहूजा, शॉप नं. 48 वैशाली नगर अपोजिट टैगोर पब्लिक स्कूल राषि 1 लाख 30 हजार 573, प्रोपर्टी ऑनर, शॉप नं. 46 वैशाली नगर, अपोजिट ए ब्लॉक राषि 1 लाख 30 हजार 573 हैं। जिसमें से श्रीमती आषा रानी आहूजा व प्रोपर्टी ऑनर शॉप नं. 46 ने मौके पर नगरीय विकास कर की राषि निगम कोष में जमा करवाई। गुरूवार को झोटवाड़ा/वैषाली नगर जोन में नगरीय विकास कर व विज्ञापन शुल्क की कुल 57 लाख 22 हजार 523 रूपये की राजस्व वसूली की गई। आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने आमजन से अपील की कि वे समय पर नगरीय विकास कर एवं विज्ञापन शुल्क जमा करवाये तथा जयपुर के विकास में भागीदार बने।

मेडिकल सर्विस सोसायटी की ओर से रक्तदान शिविर व नशा मुक्ति शिविर आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मेडिकल सर्विस सोसायटी ऑफ राजस्थान जयपुर की जानिब से रविवार 08 फरवरी को समय सुबह 10 बजे से 3 बजे मोती कटला डिस्पेंसरी सिलावटान, रामगंज, जयपुर पर इस साल का चौथा रक्तदान शिविर व नशा मुक्ति शिविर लगाया गया।

शिविर में खान अब्दुल वसी प्रदेश अध्यक्ष एमएसएस, डॉ. साजिद हुसैन जैदी जिला अध्यक्ष, शाहनूर साबरी संयुक्त सचिव एमएसएस, डॉ. अनीस अलवी कंट्रोलर राजपूताना यूनानी मेडिकल कॉलेज जयपुर, डॉ. शफ़ीक़ नकवी राजपूताना यूनानी मेडिकल कॉलेज, डॉ. सफवान अहमद राजस्थान यूनानी मेडिकल कॉलेज जयपुर, लायक़ हसन वर्क, आफाक नकवी, डॉ. महमूद सलीम राजपूताना यूनानी मेडिकल कॉलेज जयपुर, वकार अहमद वेलफेयर पार्टी, सलाम खान साहब, मुहम्मद फैजान, डॉ. राहिल सऔर अन्य ज़िम्मेदार मौजूद रहे। संस्था के साथ जमाअते-इस्लामी हिंद, राजपूताना यूनानी मेडिकल कॉलेज, हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन, स्टूडेंट्स इस्लामिक ऑर्गनाइज़ेशन, राजस्थान शिया मुस्लिम महासभा, वेलफेयर पार्टी, हज वेलफेयर सोसायटी, मूमल डेंटल हॉस्पिटल, ए एम पी, ब्राइट केरियर एजुकेशनल एवं वेलफेयर सोसायटी संगठनों का सहयोग रहा। रक्तदान शिविर में कुल 30 यूनिट ब्लड कलक्ट हुआ है और नशे की लत से परेशान 10 लोग शिविर में आए और डॉ. साजिद जैदी (होमियोपैथी) व डॉ. महमूद सलीम यूनानी ने उनकी काउंसलिंग की व निःशुल्क दवाइयाँ दी गई।

नन्हे कदमों ने सिखाया तालीम का मतलब

-वार्षिक दीनी जलसा, बच्चों और अभिभावकों की भागीदारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के शास्त्री नगर स्थित बाँधा बस्ती, नहरी का नाका में मुअज़्ज़मा मस्जिद में जुमे के दिन शाम 7 से 11 बजे तक बच्चों का सालाना जलसा आयोजित हुआ, जिसमें 5 से 15 वर्ष के लड़के-लड़कियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने कलमा, नात, तक़रीर और क़ुरआन की तिलावत पेश की। कुछ बच्चों ने नमाज़ पढ़ने का सही तरीका बताया, तो कुछ ने वुज़ू के फ़र्ज़ समझाए। बच्चों ने पैग़म्बर मोहम्मद साहब की तालीमात को आसान भाषा में मंच से लोगों तक पहुँचाया। लड़कों के साथ-साथ लड़कियों ने भी मंच पर अपने हुनर और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। बच्चों ने दीनी तालीम के साथ-साथ दुनियावी तालीम के महत्व पर भी अपने विचार रखे, जिससे कार्यक्रम में मौजूद अवाम काफ़ी मुतास्सिर नज़र आई। बच्चों की बेहतरीन प्रस्तुतियों पर अवाम ने उनकी हौसलाअफ़ज़ाई की और उन्हें नकद इनाम दिए। इमाम साहब और आयोजकों द्वारा अव्वल आने वाले बच्चों को ट्रॉफी और उपहार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मौजूद ख़ुसूसी मेहमानों ने बच्चों के अभिभावकों को नसीहत दी कि वे अपने बच्चों को दीनी के साथ-साथ दुनियावी तालीम भी ज़रूर दिलाएँ। उन्होंने कहा कि दुनियावी तालीम इंसान को दुनिया में जीने का तरीका सिखाती है, जबकि दीनी तालीम ज़िंदगी जीने का सलीक़ा देती है। इस आयोजन का मक़सद उन परिवारों तक तालीम का पैग़ाम पहुँचाना था, जो अब तक अपने बच्चों को पढ़ाई से दूर रखते हैं, ताकि ज़्यादा से ज़्यादा बच्चे इल्म और शिक्षा की राह पर आगे बढ़ सकें। कार्यक्रम शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

अमृतपुरी में 'इस्तिकबाल-ए-माहे रमज़ान' इज्तिमा का आयोजन

-देश में अमन-चैन और भाईचारे की मांगी गई दुआ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के अमृतपुरी (घाटगेट) स्थित ख़्वाजा नगर में बुधवार (5 फरवरी) को मदरसा गुलशन-ए-हुसैन और अंजुमन मुहिब्बाने अहलेबैत की ओर से एक दिवसीय 'तालीमी बेदारी व इस्तिकबाल-ए-माहे रमज़ान' इज्तिमा का भव्य आयोजन किया गया। इस धार्मिक जलसे में उलेमाओं ने शिरकत की और देश-प्रदेश में अमन, चैन और खुशहाली के लिए विशेष दुआएं मांगीं।

गरीब नवाज का पैगाम इंसानियत और मोहब्बत:

इज्तिमा की सरपरस्ती मुफ्ती अब्दुस्सत्तार साहब रिज़वी ने की और निगरानी हाफिज मौलाना क़ाज़ी वली मोहम्मद शेरी (खतीबो इमाम नूरानी मस्जिद) ने की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, अजमेर से आए हज़रत मौलाना सैय्यद सुल्तान चिश्ती ने कहा कि "गरीब नवाज का पैगाम बुनियादी तौर पर इंसानियत, मोहब्बत और भाईचारा है।" उन्होंने हदीस का हवाला देते हुए कहा कि जो शख़्स अपने बच्चे को नाज़िरह कुरान-ए-करीम सिखाता है, उसके सबब अगले-पिछले गुनाह माफ कर दिए जाते हैं।

दीनी तालीम के साथ मॉडर्न एजुकेशन जरूरी:

पूर्व मदरसा बोर्ड चेयरमैन हज़रत अल्लामा मौलाना मोहम्मद फ़ज़्ले हक़ ने तालीम पर ज़ोर देते हुए कहा कि बदलती दुनिया के साथ चलने के लिए दीनी तालीम के साथ-साथ मॉडर्न एजुकेशन (असरी तालीम) वक्त की अहम जरूरत है। यह तालीम कौम को इज्जत दिलाती है और गुरबत दूर करती है।

इन्होंने भी किया संबोधित:

बरेली से आए मौलाना सद्दाम हुसैन रिज़वी और मुंबई से आए मुफ्ती हैदर अली मदनी ने रमज़ान की फजीलत और कुरान की अजमत पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि कुरान का मोजिज़ा है कि बड़े तो बड़े, बच्चे भी इसे सीने में महफ़ूज़ कर लेते हैं।

छात्रों को मिले इनाम, गणमान्य रहे मौजूद:

कार्यक्रम के अंत में मौलाना सुल्तान चिश्ती के हाथों मेधावी छात्र-छात्राओं (तलबा व तालेबात) को इनाम तकसीम किए गए। इस मौके पर वार्ड नं. 88 के पार्षद रईस क़ुरैशी, मोहम्मद नईम खान, मोहम्मद फहीम खान, मोहम्मद शाहिद खान नेताजी, अमजद खान, हाजी हबीब हुसैन, मोहम्मद खालिदा, हाजी अब्दुल अजीज मंसूरी सहित अंजुमन के अराकीन मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन सलातो-सलाम और ख़ुसूसी दुआ के साथ हुआ।

हज सफर–2026 को लेकर तीन दिवसीय टीकाकरण शिविर का भव्य आयोजन किया गया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर कर्बला स्थित हज हाउस में हज सफर–2026 को लेकर तीन दिवसीय टीकाकरण शिविर का भव्य आयोजन किया गया। सुबह से ही हज हाउस में हाजियों और उनके परिजनों की भारी भीड़ देखने को मिली। मक्का–मदीना के पाक सफर से पहले ज़रूरी टीकाकरण के लिए, जयपुर और दौसा सहित प्रदेश भर से हाजी बड़ी संख्या में जयपुर के हज हाउस पहुंचे। राजस्थान हज वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष जावेद काग़ज़ी ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी टीकाकरण के साथ-साथ तरबियती कैंप का आयोजन किया गया है। हज सफर–2026 का यह पहला टीकाकरण कैंप है, जिसका उद्देश्य हाजियों को पूरी तरह स्वस्थ और तैयार करना है। हज सफर से पहले यह टीकाकरण शिविर हाजियों के लिए सुरक्षा, सेहत और सुविधा की एक अहम कड़ी साबित हो रहा है। टीकाकरण व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए ख़ादिमुल हुज्जाज़ और वॉलिंटियर पूरे जोश के साथ हज हाउस में तैनात रहे। इस वर्ष जयपुर से 744 हाजी, जबकि प्रदेश भर से कुल 4572 हाजी मक्का और मदीना की मुक़द्दस ज़ियारत के लिए रवाना होंगे। हज यात्रियों की पहली उड़ान 20 अप्रैल 2026 को रवाना होगी, जबकि 5 जून से वतन वापसी का सिलसिला शुरू होगा।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

हिंदू मुस्लिम तनाव देश को विकसित करने में बाधक

देश का नागरिक तब ही सुरक्षित और संपन्न हो सकता है जब देश आर्थिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक रूप से सुधारात्मक रास्ते पर चलता है। देश की सैन्य शक्ति मजबूत होती है। देश में विभिन्न धार्मिक समूहों, वर्गों, जातियों एवं उपजातियों के बीच आपसी भाईचारा शांति एवं सद्भाव होता है। समाज में आपसी भाईचारा शांति एवं सद्भाव की स्थिति में बच्चों, बड़ों का बौद्धिक विकास तेजी से होता है। बच्चे पढ़-लिखकर अच्छे डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस, आईपीएस, उध्योगपति एवं नेता बनते हैं। हर स्तर पर व्यक्ति सिर्फ देश के विकास की सोच रखता है। समाज में व्याप्त बुराइयों और गैर-कानूनी गतिविधियों को दूर करने की कोशिश करता है। समाज के विभिन्न धर्मो के लोगों के बीच सम्मान होता है, एक दूसरे की इज्जत करने की प्रवृति विकसित हो जाती है। अच्छे समाजों में अच्छे व्यक्ति पैदा होते हैं, जो देश को विकसित बनाने में अपना योगदान देते हैं। अच्छे समाज के व्यक्तियों में से अच्छे नेता निकलते हैं, अच्छे नेताओं में से ही अच्छे राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, सांसद और विधायक बनते हैं। जो देश के विकास के लिए हर समय प्रयासरत और चिंतित रहते हैं। लेकिन अफसोस की बात है कि देश में वर्तमान में धर्म, जाति एवं नफरत की राजनीति का बोलबाला दिखाई दे रहा है। धर्म और जातियों को सत्ता हासिल करने का साधन बनाया जा रहा है। सामाजों एवं धार्मिक समूहों के बीच नफरत पैदा करने की कोशिश की जा रही है। ऐसे समाजों में जो नेता पैदा हो रहे हैं, वे देश की जनता को आपस में लड़ाने, बांटने के प्रयास करने में व्यस्त दिखाई देने लगे हैं। नेताओं और देश के उच्च अधिकारियों के लिए अपने नागरिकों को अच्छी शिक्षा, रोजगार देने का उद्देश्य न होकर सिर्फ पैसा कमाना बनता जा रहा है। देश में संविधान सिर्फ नाम का रह गया है। न्यायालयों में न्याय निष्पक्षता से नहीं हो रहा है। न्यायपालिका सत्ता में बैठे उच्च स्तर के लोगों से प्रभावित दिखाई दे रही है। देश में ऐसे-ऐसे कानून लाये जा रहे हैं, जिनकी कोई जरूरत नहीं है। देश में सुरक्षा के नाम पर अरबों डॉलर युद्धक विमान, एंटी-मिसाइल एवं पनडुब्बियाँ खरीदने पर खर्च किया जा रहा है। लेकिन देश की सत्ता में बैठे नेताओं को शिक्षा, रिसर्च एवं विकास का बजट बढ़ाने में मुश्किल दिखाई देती है। कॉलेज, अस्पताल, यूनिवर्सिटी बनाने से ज्यादा खर्च धार्मिक स्थलों पर किया जा रहा है। शिक्षा स्थलों, व्यापार प्रतिष्ठानों एवं कार्य स्थलों पर धार्मिक नफरत के उदाहरण दिखाई देने लगे हैं। विकसित भारत का नारा भी दिखाई देने लगा है। लेकिन यह कोई बताने के लिए तैयार नहीं है कि भारत विकसित बनेगा कैसे ? देश में बढ़ती बेरोजगारी, सरकारी स्कूलों की टूटी-फूटी जर्जर इमारतें, अस्पतालों में मरीजों की बढ़ती भीड़ देश की स्थिति की कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। माना जाता है कि देश में नकारात्मकता का वातावरण देश की बर्बादी का संकेत माना जाता है। हिन्दू मुस्लिम तनाव देश के दर्जनों स्थानों पर दिखाई दे रहा है, फिर भी सरकार चिंतित होने के बजाये पक्षपात पूर्ण कार्रवाई करती दिखाई देती है। हिंदू मुस्लिम तनाव के कारण विदेशी निवेश आने में परेशानी होती है। देश आर्थिक रूप से कमजोर होता है। देश में रोजगार के साधन कम होते हैं। ऐसी स्थिति में विकसित भारत के नारे की क्या मायने हैं ? इसलिए कहा जा सकता है कि देश में हिंदू मुस्लिम में तनाव विकसित भारत बनने में बाधक है।

कमाल अमरोही - फिल्म निर्देशक और पटकथा लेखक थे

(17 जनवरी 1918 – 11 फरवरी 1993)

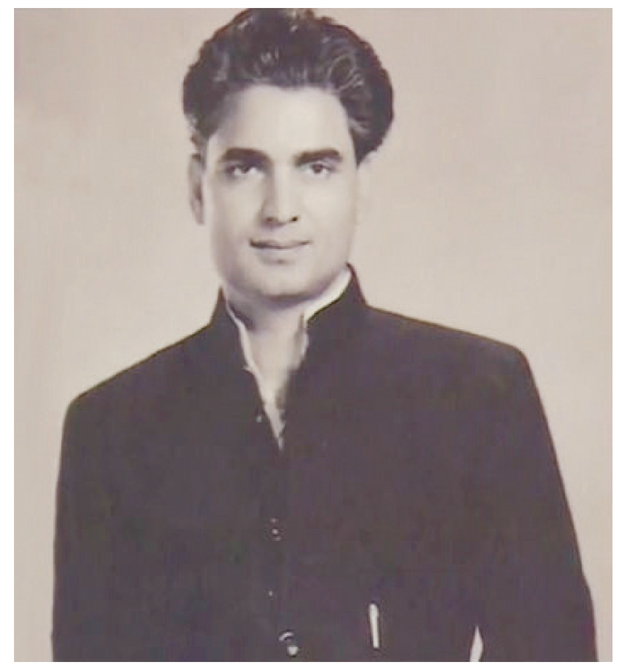

सैयद अमीर हैदर कमाल नक़वी जिन्हें कमाल अमरोही के नाम से जाना जाता है। एक भारतीय फिल्म निर्देशक और पटकथा लेखक थे। वे उर्दू और हिंदी कवि भी थे। उनकी हिंदी फिल्मों में महल (1949), पाकीज़ा (1972) और रज़िया सुल्तान (1983) शामिल हैं। उन्होंने 1953 में कमाल पिक्चर्स (महल फिल्म्स) और 1958 में बॉम्बे में कमालिस्तान स्टूडियो की स्थापना की।

कमल अमरोही एक शिया मुस्लिम थे। जिनका जन्म 17 जनवरी 1918 को ब्रिटिश भारत के संयुक्त प्रांत वर्तमान उत्तर प्रदेश के अमरोहा में हुआ था और बाद में उन्होंने कमाल अमरोही (या अमरोवी) नाम अपना लिया।

1938 में, वे अमरोहा छोड़कर लाहौर (अब पाकिस्तान का हिस्सा) में पढ़ाई करने चले गए, जहाँ गायक के. एल. सहगल ने उन्हें खोजा और सोहराब मोदी की मिनर्वा मूवीटोन फिल्म कंपनी में काम करने के लिए मुंबई (बॉम्बे) ले गए। वहाँ उन्होंने जेलर (1938), पुकार (1939), भरोसा (1940), ए.आर. करदार की फिल्म (शाहजहाँ 1946) जैसी फिल्मों में काम करके अपने करियर की शुरुआत की। उन्होंने 1949 में मधुबाला और अशोक कुमार अभिनीत फिल्म महल से निर्देशक के रूप में पदार्पण किया, जो लता मंगेशकर और राजकुमारी दुबे के गीतों के साथ एक संगीतमय हिट फिल्म थी। उन्होंने केवल चार फिल्मों का निर्देशन किया; उनमें से थीं- बॉम्बे टॉकीज़ के लिए महल (1949), मीना कुमारी और नासिर खान अभिनीत दाएरा (1953), और पाकीज़ा, जिसकी कल्पना 1958 में की गई थी। लेकिन 1972 तक पर्दे पर नहीं आ सकी। उन्होंने पाकीज़ा की पटकथा, गीत और निर्माण भी किया। फिल्म पाकीज़ा (1972) को भारत में बनी असाधारण संगीतमय मेलोड्रामा फिल्मों में से एक माना जाता है, हालांकि इसमें कुछ कमियां हैं, लेकिन यह उत्कृष्ट है। मीना कुमारी ने स्वयं फिल्म देखने के बाद प्रेस से बातचीत में कहा कि यह कमाल अमरोही की उनके प्रति श्रद्धांजलि थी। इसके बाद उनकी आखिरी फिल्म रज़िया सुल्तान (1983) आई। हालांकि, उन्होंने राजेश खन्ना और राखी गुलजार को मुख्य भूमिकाओं में लेकर फिल्म मजनून शुरू की थी, लेकिन यह फिल्म अधूरी रह गई। कमल महल, मुंबई, 1940 उन्होंने सोहराब मोदी, अब्दुल राशिद करदार और के. आसिफ द्वारा बनाई गई फिल्मों के लिए पटकथाएँ लिखीं। कमाल चार संवाद लेखकों में से एक थे, जिसके लिए उन्होंने फिल्म फेयर पुरस्कार जीता। एक निर्देशक के रूप में, उन्होंने एक ऐसी शैली विकसित की जिसमें शैलीबद्ध निर्देशन और न्यूनतम अभिनय का संयोजन था। यह शैली उनके समय के भारतीय सिनेमा में प्रचलित भावपूर्ण अभिनय से भिन्न थी।

1958 में, उन्होंने अपने बैनर महल फिल्म्स के तहत कमाल स्टूडियो की शुरुआत की, हालांकि यह तीन साल बाद बंद हो गया और बाद में नटराज स्टूडियो के रूप में हस्तांतरित हो गया।

बताया जाता है कि उनकी आखिरी फिल्म 'आखिरी मुगल' थी। उन्होंने इसकी पटकथा का एक बड़ा हिस्सा लिख लिया था। लेकिन उनकी मृत्यु के बाद यह फिल्म भुला दी गई। जाने-माने फिल्म निर्माता जेपी दत्ता ने 1990 के दशक के अंत में इस फिल्म को फिर से शुरू करने की योजना बनाई थी, जो अभिषेक बच्चन की पहली फिल्म होने वाली थी। लेकिन बाद में दत्ता ने इस प्रोजेक्ट को बंद कर दिया। 1980 के दशक की मशहूर फिल्म उमराव जान के रीमेक (2006) की असफलता के बाद, उन्होंने 2007 में फिर से इस फिल्म को शुरू करने की योजना बनाई थी। अमरोही ने चार बार विवाह किया: उनकी पहली पत्नी बिलकिस बानो थीं (जो नर्गिस की मां जद्दन बाई की नौकरानी थीं)। उनकी मृत्यु के बाद, उन्होंने जमाल हसन की बेटी सैयदा अल-ज़ेहरा महमूद से विवाह किया। मीना कुमारी से विवाह के दौरान वह उनकी वरिष्ठ पत्नी रहीं और 9 अप्रैल 1982 को उनका निधन हो गया। उनकी मुलाकात मीना कुमारी से फिल्म तमाशा की शूटिंग के दौरान हुई थी। दिग्गज अभिनेता अशोक कुमार ने उनका परिचय कराया था। दोनों को प्यार हो गया और उन्होंने 14 फरवरी 1952 को वैलेंटाइन डे के दिन एक बेहद निजी समारोह में शादी कर ली। इस बात की जानकारी केवल अमरोही के मित्र बाकर अली और मीना कुमारी की छोटी बहन मधु को ही थी। इसके बाद इस जोड़े ने अपनी प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म 'दाएरा ' (1953) बनाई, हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हो गई। 1954 में 'आज़ाद' की शूटिंग के दौरान, दोनों ने एक और फिल्म ' पाकीज़ा' की योजना बनाई। फिल्म की शूटिंग 1956 तक स्टूडियो में शुरू हो गई थी, लेकिन रंगीन फिल्मों का क्रेज बढ़ने के साथ, खासकर ' मदर इंडिया ' (1957) की रिलीज के बाद, ब्लैक एंड व्हाइट दृश्यों को रंगीन में फिर से फिल्माया गया। गुरु दत्त की क्लासिक फिल्म 'कागज़ के फूल' (1959) की रिलीज के बाद, जिसने सिनेमा स्कोप तकनीक के आगमन का संकेत दिया। फिल्म को फिर से सिनेमा स्कोप में शूट किया गया। 1960 के दशक तक, मीना कुमारी अपने करियर के शिखर पर थीं, जिससे दंपति के बीच तनाव पैदा हुआ और अंततः मार्च 1964 में आपसी अलगाव हो गया। फिल्म 'पाकीज़ा' को रोक दिया गया। मार्च 1969 में, बीमार मीना कुमारी (शराब की लत के कारण) को मुख्य भूमिका में लेकर फिल्म को पुनर्जीवित किया गया। वे कुल 11 वर्षों तक साथ रहे। पाकीज़ा फिल्म में राज कुमार को लिया गया, क्योंकि उस समय तक अशोक कुमार - मूल मुख्य अभिनेता - फिल्म के नायक की भूमिका निभाने के लिए बहुत बूढ़े हो चुके थे। पाकीज़ा 4 फरवरी 1972 को रिलीज़ हुई, इसके पहले शुरू होने के 14 साल बाद आलोचकों से इसे मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। हालाँकि फिल्म को दर्शकों से भरपूर सराहना मिली। लेकिन मीना कुमारी की असामयिक मृत्यु ने इसे अंतिम बढ़ावा दिया और इसे उस वर्ष की शीर्ष कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बना दिया। यह फिल्म अब एक कल्ट क्लासिक मानी जाती है और इसका दर्जा काफी हद तक के.आसिफ की 1960 की उत्कृष्ट कृति, मुगल-ए-आजम के समान है। कमाल अमरोही ने अपनी चिकित्सक से चौथी शादी की। अपने अंतिम वर्षों में, वे छोटी-मोटी बीमारियों के लिए नियमित रूप से अस्पताल जाया करते थे। वहीं उनकी मुलाकात अपनी चौथी पत्नी से हुई, जो वास्तव में उनकी डॉक्टर थीं। 1982 में महमूदी की मृत्यु के बाद, अमरोही को अकेलापन महसूस होने लगा और अपने बच्चों पर बोझ न बनने के लिए उन्होंने शादी करने का फैसला किया, जिस पर मीडिया ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

कमाल अमरोही के महमूदी से तीन बच्चे थे: दो बेटे, शानदार और ताजदार, दोनों ने उनके साथ रज़िया सुल्तान में काम किया और एक बेटी, रुखसार अमरोही। बिलकिस बानो, मीना कुमारी और बाद में अपनी चौथी पत्नी से उनकी कोई संतान नहीं थी।

कमाल अमरोही स्टूडियो (कमालिस्तान स्टूडियो) की स्थापना 1958 में हुई थी। 15 एकड़ में फैला यह स्टूडियो मुंबई के जोगेश्वरी ईस्ट में जोगेश्वरी-विक्रोली लिंक रोड के पास स्थित है। 2010 में इसके बिकने की खबरों और उसके बाद से चल रहे मुकदमों के बावजूद, इसका प्रबंधन अमरोही के बेटे और बेटी, ताजदार अमरोही और रुखसार अमरोही द्वारा किया जा रहा है। वर्षों से, यह स्टूडियो रज़िया सुल्तान (1983), कमाल अमरोही की निर्देशक के रूप में अंतिम फिल्म, अमर अकबर एंथोनी (1977), कालिया (1981), खलनायक (1993), कोयला (1997) जैसी फिल्मों का शूटिंग स्थल रहा है। 2012 में फिल्म दबंग 2 का पहला शेड्यूल यहीं शूट किया गया था। इसके अलावा, टेलीविजन शो भी इसी परिसर में शूट किए जाते हैं।

भारत के 2013 के डाक टिकट पर अमरोही का चित्र।

अमरोही का निधन 11 फरवरी 1993 को मुंबई में हुआ, उन्हें मुंबई के एक भारतीय-ईरानी कब्रिस्तान, रहमतबाद कब्रिस्तान में मीना कुमारी के बगल में दफनाया गया। उनकी मृत्यु के छह दिन बाद, यू. के. के दैनिक समाचार पत्र द इंडिपेंडेंट ने कमाल अमरोही के लिए एक शोक संदेश प्रकाशित किया, जिसमें उन्हें मुगल-समान बताया गया और कहा गया कि उन्होंने पांच दशकों से अधिक समय तक हिंदी फिल्म उद्योग पर शासन किया। कमाल अमरोही की दूसरी पत्नी महमूदी से इकलौती बेटी रुखसार अमरोही ने अखबार को दिए एक साक्षात्कार में अपने पिता कमाल अमरोही और मीना कुमारी के बीच घटी घटनाओं का अपना संस्करण बताया, जिसकी वह गवाह थीं। फरवरी 2022 में, संगीत लेबल सारेगामा और अभिनेता बिलाल अमरोही (कमाल अमरोही के पोते) ने फिल्म पाकीज़ा के निर्माण की पृष्ठभूमि पर आधारित अमरोही और मीना कुमारी की प्रेम कहानी पर एक वेब सीरीज़ की घोषणा की। 2024 में, निर्देशक सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने अमरोही परिवार के सहयोग से अमरोही और उनकी पत्नी मीना कुमारी के उतार-चढ़ाव भरे रिश्ते पर केंद्रित एक आधिकारिक बायोपिक, कमाल और मीना की घोषणा की। भवानी अय्यर और कौसर मुनीर द्वारा लिखित, इरशाद कामिल द्वारा गीत और एआर रहमान द्वारा संगीतबद्ध यह फिल्म 2026 में रिलीज होने की उम्मीद है।

शाह नवाज़ खान - स्वतंत्रता सेनानी एवं राजनीतिज्ञ

शाह नवाज़ खान एक भारतीय राजनीतिज्ञ थे। जिन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारतीय राष्ट्रीय सेना (आईएनए) में एक अधिकारी के रूप में सेवा की थी। सुभाष चंद्र बोस के उन भाषणों से वे बहुत प्रभावित हुए, जिनमें उन्होंने युद्धबंदियों से भारतीय राष्ट्रीय सेना में शामिल होने और एक स्वतंत्र भारत के लिए लड़ने का आह्वान किया था। खान ने घोषणा की कि वे अब से महात्मा गांधी द्वारा प्रतिपादित अहिंसा के मार्ग का अनुसरण करेंगे और कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। 1952 में मेरठ से पहली लोकसभा का चुनाव सफलतापूर्वक लड़ने के बाद, खान का संसदीय करियर शानदार रहा। जैसा कि उन्होंने अपनी आत्मकथा में बताया है, शाह नवाज़ खान का जन्म 24 जनवरी 1914 को माटोर में एक पंजाबी जनजुआ राजपूत परिवार में हुआ था, जो अब पाकिस्तान के रावलपिंडी जिले का एक गाँव है। उनके पिता लेफ्टिनेंट टिक्का खान ने लगभग 30 वर्षों तक ब्रिटिश भारतीय सेना में सेवा की, वे 58वीं वॉन राइफल्स (फ्रंटियर फोर्स) सैन्य इकाई से जुड़े थे, अन्य रिश्तेदारों ने भी सशस्त्र बलों में सेवा की थी। उन्होंने प्रिंस ऑफ वेल्स रॉयल इंडियन मिलिट्री कॉलेज में अपनी सैन्य शिक्षा प्राप्त की। उन्हें 14वीं पंजाब रेजिमेंट में कमीशन दिया गया। सुभाष चंद्र बोस के देशभक्तिपूर्ण भाषणों से प्रभावित होकर, नवाज़ 1943 में आईएनए में शामिल हो गए। उन्हें बोस द्वारा गठित स्वतंत्र भारत की अंतरिम सरकार के मंत्रिमंडल में शामिल किया गया।

खान पर जनरल प्रेम सहगल, कर्नल गुरबख्श सिंह ढिल्लों और पंजेरी (भीमबर) के ब्रिगेडियर हबीब उर रहमान के साथ दिल्ली के लाल किले में सार्वजनिक न्यायालय में "सम्राट के विरुद्ध युद्ध छेड़ने" का मुकदमा चलाया गया। सर तेज बहादुर सप्रू, जवाहरलाल नेहरू, आसफ अली, भुलाभाई देसाई, कैलाश नाथ काटजू और अन्य वकीलों ने उनका बचाव इस आधार पर किया कि उन्हें युद्धबंदी माना जाना चाहिए क्योंकि वे भाड़े के सैनिक नहीं बल्कि एक वैध सरकार, स्वतंत्र भारत की अनंतिम सरकार, या आज़ाद

हिंद सरकार के वास्तविक सैनिक थे, "चाहे वे अपने देश के प्रति देशभक्ति के कर्तव्य के बारे में कितने ही गलत या अन्यथा क्यों न हों", और इस प्रकार उन्होंने स्वतंत्र भारतीय राज्य को अपना संप्रभु माना, न कि ब्रिटिश संप्रभु को। मुकदमे के दौरान, खान ने भारतीय सेना में भारतीय और ब्रिटिश सैनिकों के साथ किए गए भेदभावपूर्ण व्यवहार का हवाला दिया। अपनी गवाही में, खान ने गवाही दी कि किसी भी भारतीय अधिकारी को डिवीजन की कमान नहीं दी गई थी और केवल एक को ब्रिगेड की कमान संभालने की अनुमति थी। खान को अदालत द्वारा मौत की सजा सुनाई गई थी, लेकिन भारतीय सेना के कमांडर-इन-चीफ द्वारा उस सज़ा को बर्खास्त कर दिया गया था। मुकदमे के बाद, खान ने घोषणा की कि वह अब से गांधी द्वारा प्रतिपादित अहिंसा के मार्ग का अनुसरण करेंगे और उन्होंने कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। 1946 में, मेजर जनरल शाह नवाज़ खान महात्मा गांधी और अब्दुल गफ्फार खान के साथ शांति बहाल करने और नोआखली दंगा पीड़ितों को सहायता प्रदान करने के लिए गए। सरकार ने 1956 में सुभाष चंद्र बोस की मृत्यु से संबंधित परिस्थितियों की जांच के लिए खान की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया। इस समिति में बोस के बड़े भाई सुरेश चंद्र बोस भी शामिल थे। समिति ने अप्रैल 1956 में अपना काम शुरू किया और चार महीने बाद समाप्त किया, जब तीन सदस्यों में से दो (सुरेश चंद्र बोस को छोड़कर) इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि बोस की मृत्यु 18 अगस्त 1945 को फॉर्मोसा (अब ताइवान) के ताइहोकू (जापानी में ताइपे) में विमान दुर्घटना में हुई थी। उन्होंने कहा कि उनकी अस्थियां जापान के रेनकोजी मंदिर में रखी हैं और उन्हें भारत लाया जाना चाहिए। वे 1951, 1957, 1962 और 1971 में मेरठ निर्वाचन क्षेत्र से चार बार लोकसभा के लिए चुने गए। वे 1967 और 1977 के लोकसभा चुनावों में मेरठ से हार गए। हालाँकि उनका पूरा परिवार पाकिस्तान में ही रहा, उन्होंने अपने एक बेटे के साथ भारत में रहना चुना। खान के राजनीतिक विचार वामपंथी थे और वे भूमि सुधार एवं सार्वजनिक वितरण का समर्थन करते थे। लेकिन धार्मिक समुदायों के लिए स्थायी पृथक व्यक्तिगत कानूनों के समर्थन के कारण उन्हें 1967 के चुनावों में जनसंघ के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। 1969 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में फूट पड़ गई, जिसके चलते उन्होंने इंदिरा गांधी का साथ दिया। 1971 के "गरीबी हटाओ" अभियान ने उन्हें मेरठ से फिर से सांसद बना दिया। 1977 में जनता पार्टी के कारण उन्हें हार का सामना करना पड़ा और संसद में उनका करियर समाप्त हो गया। वह अपनी मृत्यु (9 दिसंबर 1983 में) तक कांग्रेस सेवा दल के प्रमुख बने रहे। उन्हें लाल किले और जामा मस्जिद के पास एक बगीचे में पूरे राजकीय सम्मान के साथ दफनाया गया। शाह नवाज़ खान के जीवन पर 1987 में बनी एक भारतीय लघु वृत्तचित्र फिल्म है, जिसका निर्देशन जेएस बांडेकर ने किया है और इसका निर्माण फिल्म्स डिविजन ऑफ इंडिया ने किया है। यह फिल्म उनके जीवन और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान को दर्शाती है। 2005 में आई फिल्म नेताजी सुभाष चंद्र बोस: द फॉरगॉटन हीरो में शाह नवाज़ खान का किरदार सोनू सूद ने निभाया था। 2017 में आई फिल्म रागदेश ऑन द रेड फोर्ट ट्रायल्स में उनका किरदार कुणाल कपूर ने निभाया है।

सुलेमान बिन अब्दुल मलिक का आखिरी वक़्त

सुलेमान बिन अब्दुल मलिक खानदान बनी उम्मिया का मशहूर हुक्मरां हुआ। उसके भाई वलीद बिन अब्दुल मलिक ने चूंकि अपनी जिंदगी में उसे वली एहदी से खारिज करने की कोशिश की थी, इसलिए वलीद के मरने के बाद जब यह तख़्त पर बैठा तो उसने एक वलीद के जमाने के तमाम मुमताज़ सिपह- सालारों को या तो कैद कर दिया था या उन्हें कत्ल कर दिया था। सुलेमान ने यह सब कुछ इसलिए किया था ताकि अपने तमाम मुखालिफ़ीन को रास्ते से हटा दे। लेकिन इसकी जिंदगी ने वफा नहीं की। चिनांचि अभी इसकी हुकूमत को मुश्किल से तीन साल हुए थे कि यह मरजुलमोत में मुब्तिला हो गया। सुलेमान बिन अब्दुल मलिक मरने से पहले यह खलीफा भी बच्चों की तरह रोता था और उसे अपने किए पर रंज था। चिनांचि की उसने मरने से पहले अपने बेटे को नसीहत की "बेटा ! हुकूमत और सल्तनत दुनिया की सबसे बड़ी लानत है। इसने सिर्फ 3 साल में ही मेरी दुनिया और आकीबत दोनों को तबाह कर दिया है। हमेशा इससे दूर रहना। मैंने हुकूमत के गुरूर में उन बेशुमार इंसानों को कत्ल कराया है, जिनका वजूद ममलिकते इस्लामिया और मुसलमानों के लिए जरूरी था। मगर अब मेरा पछताना बेकार है। तीन साल की मुख्तसिर सी हुकूमत ने मुझे जहन्नुम में धकेल दिया।" यह कहकर सुलेमान इतना रोया कि बेहोश हो गया और उसके बाद उसे कभी होश ना आया। तारीख-ए- इस्लाम के इस वाकिये से यह चीज साफ तौर पर वाज़ेह हो जाती है कि इंसान को दुनिया में सिवाए उसके नेक आमाल के कोई चीज़ भी मुतमईन नहीं कर सकती, चाहे वोह बादशाहत और हुकूमत ही क्यों ना हो। (दीन दुनिया)

-हबीबुल्लाह एडवोकेट
जवाहर नगर, जयपुर

अल किन्दी - अरबों का दार्शनिक

अल किन्दी - शुद्ध अरबी मूल के पहले प्रमुख दार्शनिक थे, जिन्होंने यूनानी दर्शन को इस्लामी विचारधारा के साथ जोड़ा और अरबी भाषा में दर्शन-शास्त्र की नींव रखी। बगदाद में 'हाउस ऑफ़ विज़डम' (बैत अल-हिकमा) के भीतर, अल-किन्दी ने अनुवादकों के एक समूह (जिसे 'किन्दी सर्कल' कहा जाता है) का नेतृत्व किया। इस समूह ने अरस्तू, प्लोटीनस (नव-अफ़लातूनी दर्शन), यूक्लिड और टॉलमी जैसे यूनानी लेखकों के ग्रंथों के अरबी अनुवाद तैयार किए। वे बगदाद में 'बेत अल-हिक्मा' के प्रमुख स्तंभ थे। उन्होंने अरस्तू (Aristotle) और प्लेटो (Plato) जैसे यूनानी विद्वानों के ग्रंथों का अरबी में अनुवाद करवाया और उनकी व्याख्या की। इस प्रकार वे अरबी जगत में तर्क-शास्त्र और विज्ञान की नींव डालने वाले पहले मुस्लिम विद्वान थे। अल किन्दी का पूरा नाम- अबू यूसुफ़ याक़ूब इब्न इशाक़ अस-सब्बाह अल-किन्दी है। इनका जन्म लगभग सन् 801 ईस्वी में कूफा (आधुनिक इराक) में हुआ था और इनकी मृत्यु लगभग 873 ईस्वी में, बग़दाद में हुई थी। वे "किन्दा " कबीले से थे, जो इस्लाम के शुरुआती दौर में एक महत्वपूर्ण कबीला था। इनके पिता कूफ़ा और बसरा के गवर्नर थे, इसलिए इनका परिवार कुलीन और प्रभावशाली था। अल किन्दी की प्रारंभिक शिक्षा बसरा में हुई, फिर बग़दाद में — जहां इन्होंने यूनानी, फारसी और भारतीय ग्रंथों का अध्ययन किया। अल-किन्दी एक बहुमुखी प्रतिभा (Polymath) के धनी थे। इब्न अल-नदीम के अनुसार इन्होंने 260 से अधिक किताबें लिखीं थीं (इनकी उनमें से कई किताबें खो गईं)। उनकी किताबें मंगोल आक्रमण और बाद के दार्शनिकों की लोकप्रियता के कारण काफी हद तक खो गईं, लेकिन इनकी शुरुआत ने इस्लामी दर्शन और विज्ञान की नींव रखी। अल-किन्दी ने दिखाया कि तर्क और विज्ञान इस्लाम के साथ विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। वे इस्लामिक स्वर्ण युग के प्रारंभिक नायक थे। ख़लीफा - अल-मामून ने उन्हें अपने पुत्र अहमद का निजी शिक्षक भी नियुक्त किया था।

1. दर्शन शास्त्र (Philosophy)

अल किन्दी इस्लामिक दर्शन के प्रथम संस्थापक माने जाते हैं। इन्होंने यूनानी दर्शन (Peripatetic school — अरस्तू) का इस्लाम के साथ सामंजस्य बैठाया और ईश्वर की एकता (Tawhid) पर जोर देते हुए बताया कि ईश्वर पूर्ण एक है, कोई गुण या संख्या नहीं है। दर्शन और धर्म में सामंजस्य स्थापित करने की दिशा में बताया कि दर्शन तर्क से सत्य तक पहुंचता है, जबकि पैगंबर साहब की वही (प्रकाशन) उससे श्रेष्ठ और स्पष्ट है। यह भी बताया कि आत्मा अमूर्त है, मृत्यु के बाद बुद्धि के माध्यम से ईश्वरीय प्रकाश में विलीन हो सकती है। दर्शन शास्त्र पर इनके द्वारा लिखित प्रमुख

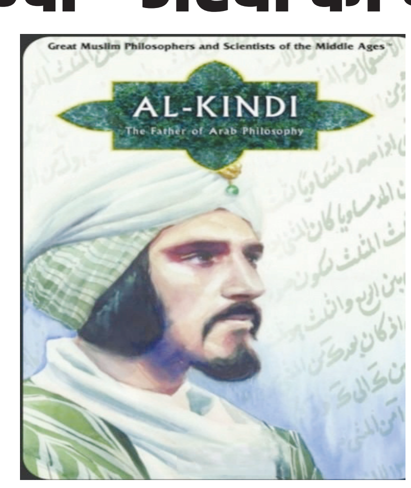

ग्रंथ: 'फी अल-फल्सफा अल-उला'- "On First Philosophy" (फिलॉसफी की पहली किताब है) — खलीफा अल-मु'तसिम को समर्पित है। यह दार्शनिक ग्रंथ है, जिसे "अरबी में पहला मेटाफ़िज़िकल कार्य" माना जाता है। यह ग्रंथ चार भागों में बचा है (पूर्ण रूप से उपलब्ध नहीं), लेकिन इस्लामिक दर्शन की नींव रखने वाला माना जाता है। यह बाद के दार्शनिकों जैसे अल-फ़ाराबी और इब्न सिना को प्रभावित करता है।

2. गणित (Mathematics)

इन्होंने हिंदी-अरबी अंक प्रणाली (0-9) को इस्लामी दुनिया में लोकप्रिय बनाया (अल-ख्वारिज्मी के साथ)। - अनुपात, ज्यामिति, अनंतता पर काम किया। दवाओं की मात्रा (dosage) निर्धारित करने के लिए गणित का उपयोग — चिकित्सा में पहली मात्रात्मक विधि का इन्होंने प्रयोग करना बताया।

3. प्रकाश विज्ञान (Optics)

अल किन्दी ने यूक्लिड और अरस्तू की आलोचना की, फिर यूक्लिडियन सिद्धांत को अपनाया, और दृष्टि की व्याख्या करते हुए बताया कि वस्तुएं किरणें छोड़ती हैं जो आंख तक पहुंचती हैं। इस का बाद के विद्वानों (इब्न अल-हैथम, रोजर बेकन) पर प्रभाव पड़ा।

4. क्रिप्टोग्राफी (Cryptanalysis — कोड-भेदन)

क्रिप्टोग्राफी के जनक माने जाते हैं।

"Manuscript on Deciphering Cryptographic Messages" में फ्रीक्वेंसी एनालिसिस विधि बताई जो आज की कोड-ब्रेकिंग की बुनियाद है। अरबी में अक्षरों की आवृत्ति के आधार पर कोड तोड़ना सिखाया।

5. खगोल विज्ञान और भूगोल (Astronomy & Meteorology) के संबंध में अल किन्दी का योगदान - टॉलेमी के सिद्धांत अपनाए, लेकिन मौसमी प्रभाव, ज्वार-भाटा, बादलों की गड़गड़ाहट, हवाओं पर प्रयोग किए। ज्वार भाटा को तापमान परिवर्तन से जोड़ा।

6. चिकित्सा और रसायन (Medicine & Chemistry) के क्षेत्र में - गैलेन से प्रभावित, लेकिन दवाओं की शक्ति को गणितीय स्केल पर मापा। इत्र (perfume) बनाने की विधियां, गुलाब तेल की डिस्टिलेशन। धातुओं के परिवर्तन (transmutation) के संबंध में कार्य किया।

7. संगीत सिद्धांत (Music Theory)

यूनानी स्वर प्रणाली को अरबी ल्यूट (उद) पर लागू किया। संगीत को चिकित्सकीय और ब्रह्मांडीय महत्व दिया।

8. रिसाला फी दफ़ अल-अहज़ान

यह उनका प्रमुख नैतिक दर्शन (ethics) संबंधी ग्रंथ है। इसमें वे दुख और उदासी से मुक्ति के तरीकों पर चर्चा करते हैं। मुख्य विचार: दुख का कारण भौतिक दुनिया से अत्यधिक लगाव है; सच्ची खुशी आत्मा की शुद्धि और ईश्वर की ओर ध्यान से मिलती है। यह प्लेटो और स्टोइक विचारों से प्रभावित है, लेकिन इस्लामिक संदर्भ में प्रस्तुत किया गया है। यह पुस्तक दिखाती है कि अल किंदी दर्शन को व्यावहारिक जीवन के लिए उपयोगी मानते थे।

9. फी वहदानियत अल्लाह व तुनाहिय जिर्म अल-आलम

ईश्वर की एकता (tawhid) और संसार की सीमितता पर केंद्रित। वे तर्क देते हैं कि संसार अनंत नहीं हो सकता, क्योंकि अनंतता केवल ईश्वर की विशेषता है। यह ग्रंथ इस्लामिक एकेश्वरवाद को दार्शनिक आधार प्रदान करता है।

10. फी हुदूद अल-अश्या व रुसूमिहा

विभिन्न वस्तुओं और अवधारणाओं की परिभाषाएँ और वर्णन। यह तर्क शास्त्र और मेटाफ़िज़िक्स की आधारभूत अवधारणाओं को स्पष्ट करता है।

11. फी कम्मिया कुतब अरिस्तूतालीस व मा यहताज इलैहि फी तहसील अल-फल्सफ़ा

यह ग्रंथ दर्शन की शिक्षा और ग्रीक परंपरा के महत्व को दर्शाता है।

खलीफा अल-मुतवक्किल (847-861 ई.) के सत्ता में आने के बाद, जो धार्मिक रूढ़िवादिता को बढ़ावा देते थे, अल-किन्दी का पतन शुरू हुआ। कुछ स्रोतों के अनुसार, उनकी व्यक्तिगत लाइब्रेरी ज़ब्त कर ली गई और उन्हें शारीरिक दंड भी दिया गया था। उन्होंने एकांतवास में जीवन व्यतीत किया। अल-किन्दी ने अपने एक ग्रंथ में लिखा है कि "हमें सत्य को स्वीकार करने में संकोच नहीं करना चाहिए, चाहे वह कहीं से भी आए...क्योंकि सत्य से ऊँचा कोई मूल्य नहीं है"। यह उनकी ज्ञान के प्रति खुली और तर्क संगत दृष्टि को दर्शाता है। अल किन्दी ने बाद में आने वाले अल-फ़ाराबी, इब्न सीना (एविसेना) और अल-ग़ज़ाली जैसे महान विचारकों के लिए मार्ग प्रशस्त किया। इस्लामिक स्कॉलर, दर्शन शास्त्री के तौर पर और साइंसी विद्वान के रुप में अल किन्दी को भुलाया नहीं जा सकता।

-फ़ज़लुर्रहमान

हरियाणा में असिस्टेंट इंजीनियर के 50 पदों पर भर्ती

हरियाणा लोक सेवा आयोग यानी HPSC की ओर से असिस्टेंट इंजीनियर के 50 पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया गया है। इन पदों पर आवेदन प्रक्रिया 13 जनवरी से शुरू होगी। इसके बाद कैंडिडेट्स ऑफिशियल वेबसाइट hpsc.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकेंगे। आवेदन की लास्ट डेट 12 फरवरी, 2026 शाम पांच बजे तक तय की गई है।

आवेदन शुरू :
13 जनवरी से 12 फरवरी 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन:
इस पद पर आवेदन करने के लिए कैंडिडेट्स के पास भारत के किसी मान्यता प्राप्त इंस्टीट्यूशन से इंजीनियरिंग की डिग्री होनी चाहिए।
इसके अलावा, उम्मीदवारों ने कक्षा 10वीं तक हिंदी या संस्कृत पढ़ी हुई होनी चाहिए।

एज लिमिट:
उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और 42 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।
विशेष वर्ग के उम्मीदवारों को आयु-सीमा में छूट भी दी जाएगी।
आयु की गणना 12 फरवरी, 2026 के आधार पर की जाएगी।

एप्लिकेशन फीस:
जनरल कैटेगरी के कैंडिडेट्स के लिए एप्लिकेशन फीस 1,000 रुपए निर्धारित की गई है।
EWS, OBC, SC, ST और महिलाओं के लिए एप्लिकेशन फीस 250 रुपए है।
दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए एप्लिकेशन फीस नि:शुल्क है।

सैलरी स्ट्रक्चर:
सिलेक्टेड कैंडिडेट्स को 53,100 रुपए से लेकर 1,67,800 रुपए तक प्रतिमाह सैलरी दी जाएगी।

ऐसे करें अप्लाई:
HPSC की ऑफिशियल वेबसाइट hpsc.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करें।
लिंक पर क्लिक करने के मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी आदि दर्ज करें।

रेलवे में 22,000 पदों पर रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन की तारीख बढ़ी

रेलवे भर्ती बोर्ड ने ग्रुप-डी लेवल-1 भर्ती की संशोधित तारीख जारी कर दी है। 22,000 पदों पर रजिस्ट्रेशन 21 जनवरी से शुरू होने वाला था, जिसे 31 जनवरी तक के लिए बढ़ा दिया गया है। उम्मीदवार 31 जनवरी 2025 से ऑफिशियल वेबसाइट rrbapply.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकेंगे।

आवेदन शुरू :
31 जनवरी से 02 मार्च 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
10वीं पास या NCVT द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से नेशनल अप्रेंटिसशिप सर्टिफिकेट प्राप्त किया हो।

शारीरिक योग्यता :
पुरुष :
35 किलोग्राम वजन को उठाकर बिना नीचे रखे 2 मिनट 100 मीटर तक चलना
4 मिनट और 15 सेकेंड में 1000 मीटर दौड़ना।
महिला :
20 किलोग्राम वजन को उठाकर बिना नीचे रखे 2 मिनट 100 मीटर तक चलना।
5 मिनट और 40 सेकेंड में 1000 मीटर दौड़ना।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 36 साल

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 500 रुपए
एससी, एसटी, ईबीसी, महिला, ट्रांसजेंडर : 250 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस :
कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट
फिजिकल एफिशिएंसी टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम

सैलरी :
22,500 - 25,380 रुपए प्रतिमाह

कट ऑफ :
सामान्य : 40
ईडब्ल्यूएस : 40
ओबीसी (नॉन क्रीमी लेयर) : 30
एससी, एसटी : 30

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rrbapply.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर अप्लाई ऑनलाइन के लिंक पर क्लिक करें।
न्यू रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करके मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
रजिस्ट्रेशन होने के बाद लॉग इन करें।
फीस (यदि लागू हो) जमा करें।
फॉर्म का प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

(पिछले अंक से जारी) (रणनीति)

86. भारत में अंग्रेजों का पहला कारखाना कहाँ स्थापित हुआ था?
(A) सूरत (B) मद्रास
(C) बंबई (D) कलकत्ता
उत्तर: (A)
व्याख्या: अंग्रेजों ने 1613 ई. में सूरत में अपना पहला कारखाना स्थापित किया।

87. प्लासी का युद्ध कब हुआ था?
(A) 1757 ई. (B) 1761 ई.
(C) 1764 ई. (D) 1782 ई.
उत्तर: (A)
व्याख्या: 1757 ई. में प्लासी के युद्ध में रॉबर्ट क्लाइव ने सिराजुद्दौला को पराजित किया, जिससे बंगाल पर अंग्रेजों का अधिकार स्थापित हुआ।

88. बक्सर का युद्ध किस वर्ष हुआ?
(A) 1757 ई. (B) 1761 ई.
(C) 1764 ई. (D) 1773 ई.
उत्तर: (C)
व्याख्या: 1764 ई. में बक्सर का युद्ध अंग्रेजों और तीन भारतीय शासकों (शुजा-उद-दौला, मीर कासिम, शाह आलम द्वितीय) के बीच हुआ, जिसमें अंग्रेज विजयी हुए।

89. 'दीवानी अधिकार' किसे प्राप्त हुआ था?
(A) रॉबर्ट क्लाइव (B) वॉरेन हेस्टिंग्स (C) डलहौजी
(D) लॉर्ड कॉर्नवालिस
उत्तर: (A)
व्याख्या: 1765 ई. में मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय ने रॉबर्ट क्लाइव को बंगाल, बिहार और उड़ीसा की दीवानी सौंपी।

90. 'रेग्युलेटिंग एक्ट' कब पारित हुआ?
(A) 1773 ई. (B) 1784 ई.
(C) 1793 ई.(D) 1813 ई.
उत्तर: (A)
व्याख्या: 1773 ई. का रेग्युलेटिंग एक्ट भारत में ब्रिटिश प्रशासन के नियंत्रण के लिए पहला क़ानून था।

91. भारत में गवर्नर जनरल की पदवी सबसे पहले किसे मिली?
(A) वॉरेन हेस्टिंग्स
(B) लॉर्ड विलियम बैंटिक
(C) लॉर्ड कार्नवालिस
(D) लॉर्ड वेल्सली
उत्तर: (A)
व्याख्या: वॉरेन हेस्टिंग्स भारत के पहले गवर्नर जनरल थे (1773–1785 ई.)।

92. स्थायी बंदोबस्त किसके द्वारा लागू किया गया?
(A) लॉर्ड वेल्सली
(B) लॉर्ड हेस्टिंग्स
(C) लॉर्ड कॉर्नवालिस
(D) लॉर्ड कर्जन
उत्तर: (C)
व्याख्या: लॉर्ड कॉर्नवालिस ने 1793 ई. में बंगाल में 'स्थायी बंदोबस्त' लागू किया।

93. 'सती प्रथा' को किसने समाप्त किया?
(A) लॉर्ड हेस्टिंग्स
(B) लॉर्ड विलियम बैंटिक
(C) लॉर्ड डलहौजी
(D) लॉर्ड लिटन
उत्तर: (B)
व्याख्या: लॉर्ड विलियम बैंटिक ने 1829 ई. में सती प्रथा को समाप्त किया, राजा राममोहन राय के प्रयासों से।

94. 'राजा राममोहन राय' ने किस संस्था की स्थापना की थी?
(A) आर्य समाज (B) ब्रह्म समाज
(C) प्रार्थना समाज
(D) थियोसोफिकल सोसाइटी
उत्तर: (B)
व्याख्या: 1828 ई. में राजा राममोहन राय ने ब्रह्म समाज की स्थापना की थी।

95. 'आर्य समाज' की स्थापना कब हुई थी?
(A) 1828 ई. (B) 1869 ई.
(C) 1875 ई. (D) 1885 ई.
उत्तर: (C)
व्याख्या: स्वामी दयानंद सरस्वती ने 1875 ई. में आर्य समाज की स्थापना की थी।

96. 'इंडियन नेशनल कांग्रेस' की स्थापना कब हुई थी?
(A) 1885 ई. (B) 1889 ई.
(C) 1890 ई. (D) 1905 ई.
उत्तर: (A)
व्याख्या: 1885 ई. में ए.ओ. ह्यूम के प्रयासों से कांग्रेस की स्थापना हुई, और पहला अधिवेशन बंबई में हुआ।

97. कांग्रेस के प्रथम अध्यक्ष कौन थे?
(A) दादाभाई नौरोजी
(B) डब्ल्यू. सी. बनर्जी
(C) बंकिम चंद्र (D) गोखले
उत्तर: (B)
व्याख्या: डब्ल्यू. सी. बनर्जी कांग्रेस के प्रथम अध्यक्ष थे (1885, बंबई)।

98. 'दादाभाई नौरोजी' ने किस सिद्धांत को प्रतिपादित किया था?
(A) द्रव सिद्धांत
(B) आर्थिक निकासी सिद्धांत
(C) सामाजिक सुधार सिद्धांत
(D) आत्मनिर्भरता सिद्धांत
उत्तर: (B)
व्याख्या: दादाभाई नौरोजी ने 'ड्रेन ऑफ वेल्थ थ्योरी' (आर्थिक निकासी सिद्धांत) प्रस्तुत किया।

99. बंगाल विभाजन कब हुआ?
(A) 1903 ई. (B) 1905 ई.
(C) 1907 ई. (D) 1911 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: लॉर्ड कर्जन ने 1905 ई. में बंगाल का विभाजन किया, जिससे स्वदेशी आंदोलन शुरू हुआ।

100. 'स्वदेशी आंदोलन' का नारा किसने दिया?
(A) बाल गंगाधर तिलक
(B) बिपिन चंद्र पाल
(C) लाला लाजपत राय
(D) अरविंद घोष
उत्तर: (A)
व्याख्या: तिलक ने "स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है" का नारा दिया।

-डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल

पंजाब नेशनल बैंक में 5138 पदों पर निकली भर्ती

पंजाब नेशनल बैंक (PNB) ने अप्रेंटिस के पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट pnb.bank.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। यह भर्ती एक साल के लिए की जाएगी।

आवेदन शुरू :
08 फरवरी से 24 फरवरी 2026 तक

स्टाइपेंड :
मेट्रो सिटीज : 15,000 रुपए प्रति माह
अन्य शहर, गांव : 12,300 रुपए प्रति माह

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मान्यता प्राप्त इंस्टीट्यूट/कॉलेज और विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन की डिग्री।
ग्रेजुएशन के रिजल्ट की घोषणा 31 दिसंबर 2025 से पहले ही चुकी हो।
उम्मीदवार जिस राज्य से अप्लाई कर रहे हैं, वहां की स्थानीय भाषा को पढ़ने, लिखने और बोलने में एक्सपर्ट होना चाहिए।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 20 साल
अधिकतम : 28 साल
उम्र की गणना 1 जनवरी 2026 के आधार पर की जाएगी।
उम्मीदवारों की डेट ऑफ बर्थ 2 जनवरी 1998 से पहले और 1 जनवरी 2006 के बाद की नहीं होनी चाहिए।
एससी/एसटी : 05 साल की छूट
ओबीसी (नॉन क्रीमीलेयर) : 3 साल की छूट
पीडब्ल्यूबीडी : 10 साल की छूट

सिलेक्शन प्रोसेस :
लिखित परीक्षा
लोकल लैंग्वेज टेस्ट
पर्सनल इंटरव्यू

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट pnb.bank.in पर जाएं।
यहां Employment Opportunities सेक्शन में PNB Apprentice Program 2025-26 के लिंक पर क्लिक करें।
मांगी गई जानकारी दर्ज करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
अपनी कैटेगरी के मुताबिक एप्लीकेशन फीस भरें।
फॉर्म का प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

राजस्थान में एग्रीकल्चर सुपरवाइजर के 1,100 पदों पर भर्ती

राजस्थान कर्मचारी चयन आयोग यानी RSSB की ओर से एग्रीकल्चर सुपरवाइजर के 1,100 पदों पर भर्ती निकाली गई है। इस वैकेंसी के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 13 जनवरी, 2026 से शुरू होगी और 11 फरवरी, 2026 तक इसके लिए अप्लाई कर सकते हैं। कैंडिडेट्स ऑफिशियल वेबसाइट rssb.rajasthan.gov.in या SSO पोर्टल sso.rajasthan.gov.in पर जाकर फॉर्म भर सकते हैं। इसके अलावा, फॉर्म में करेक्शन करने की अंतिम तिथि 14 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है।

आवेदन शुरू :
13 जनवरी से 11 फरवरी 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन:
कैंडिडेट के पास भारत के किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से BSc (एग्रीकल्चर) या BSc (हॉर्टिकल्चर) ऑनर्स की डिग्री होनी चाहिए।

एज लिमिट:
18 से 40 साल उम्र के कैंडिडेट्स इसके लिए अप्लाई कर सकते हैं।
SC, ST और OBC वर्ग के कैंडिडेट्स को 5 साल की छूट दी जाएगी।
वहीं, सामान्य वर्ग की महिलाओं को 5 साल की छूट मिलेगी।
एससी और एसटी वर्ग की महिला उम्मीदवारों को 10 वर्ष की छूट दी जाएगी।

एप्लिकेशन फीस:
जनरल कैटेगरी के लिए 600 रुपए।
ओबीसी, एससी, एसटी, EWS और दिव्यांगों के लिए 400 रुपए।

सैलरी स्ट्रक्चर:
सिलेक्टेड कैंडिडेट्स को पे मैट्रिक्स लेवल 5 के अनुसार सैलरी दी जाएगी।

ऐसे करें अप्लाई:
ऑनलाइन पोर्टल rssb.rajasthan.gov.in या SSO पोर्टल sso.rajasthan.gov.in से लॉग इन करें।
इसके बाद Citizen Apps (G2C) में Recruitment Portal चुनें।
Apply Now पर क्लिक करें।
उम्मीदवारों को वन टाइम रजिस्ट्रेशन (OTR) करना होगा।
इसके बाद कैंडिडेट्स अन्य डिटेल भरकर आवेदन प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

उभरते हुए हाई-डिमांड सेक्टर्स (2026):

करियर के नए अवसर और सुनहरे भविष्य की संभावनाएं

तेज़ी से बदलती दुनिया में करियर के विकल्प भी लगातार बदल रहे हैं। जो सेक्टर आज उभर रहे हैं, वही आने वाले कल में सबसे ज़्यादा रोज़गार और बेहतर पैकेज देने वाले साबित होंगे। साल 2026 को देखते हुए कुछ ऐसे सेक्टर हैं जिनकी डिमांड तेज़ी से बढ़ रही है। इनमें खास तौर पर AI और डेटा साइंस, ग्रीन एनर्जी और डिजिटल मार्केटिंग शामिल हैं। ये सेक्टर न सिर्फ़ अच्छी सैलरी देते हैं, बल्कि लंबे समय तक स्थिर और सुरक्षित करियर की गारंटी भी बनते जा रहे हैं।

AI और डेटा साइंस: भविष्य की रीढ़

आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (AI) और डेटा साइंस आज सिर्फ़ टेक्नोलॉजी तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि हेल्थ, बैंकिंग, शिक्षा, मीडिया, मैन्युफैक्चरिंग और यहां तक कि खेती जैसे क्षेत्रों में भी इनका इस्तेमाल तेज़ी से बढ़ रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक 2026 तक AI और मशीन लर्निंग से जुड़ी नौकरियों में करीब 35% तक बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। डेटा को समझना, उसका एनालिसिस करना और उससे बिज़नेस के लिए सही फ़ैसले लेना—यही डेटा साइंस की असली ताक़त है। इस फील्ड में डेटा साइंटिस्ट, मशीन लर्निंग डेवलपर, AI इंजीनियर और डेटा एनालिस्ट जैसे पदों की भारी मांग है। जहां तक सैलरी की बात है, तो इस सेक्टर में शुरुआती पैकेज ही 10 से 15 लाख रुपये सालाना तक पहुंच रहा है। अनुभव और स्किल बढ़ने के साथ यह पैकेज 25–30 लाख या उससे भी ज़्यादा हो सकता है। जिन छात्रों को गणित, लॉजिक, प्रोग्रामिंग और टेक्नोलॉजी में दिलचस्पी है, उनके लिए यह फील्ड बेहद शानदार है।

ग्रीन एनर्जी: पर्यावरण के साथ रोज़गार का संतुलन

जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण आज पूरी दुनिया की सबसे बड़ी चिंता बन चुके हैं। इसी वजह से सरकारें और कंपनियां रिन्यूएबल एनर्जी यानी नवीकरणीय ऊर्जा की ओर तेज़ी से बढ़ रही हैं। भारत में भी सोलर और विंड एनर्जी को लेकर बड़े स्तर पर निवेश किया जा रहा है। ग्रीन एनर्जी सेक्टर में सोलर एनर्जी इंजीनियर, विंड पावर स्पेशलिस्ट, एनर्जी ऑडिटर, सस्टेनेबिलिटी कंसल्टेंट और एनवायरमेंटल एनालिस्ट जैसे प्रोफाइल्स की मांग लगातार बढ़ रही है। यह सेक्टर उन लोगों के लिए खास है जो पर्यावरण की हिफ़ाज़त के साथ-साथ एक सम्मानजनक करियर बनाना चाहते हैं। इस फील्ड में शुरुआती सैलरी भले ही कुछ सेक्टर्स से थोड़ी कम हो, लेकिन अनुभव के साथ पैकेज तेज़ी से बढ़ता है। आने वाले वर्षों में ग्रीन एनर्जी न सिर्फ़ रोज़गार का बड़ा ज़रिया बनेगा, बल्कि देश की आर्थिक और पर्यावरणीय सुरक्षा की भी बुनियाद बनेगा।

डिजिटल मार्केटिंग: ऑनलाइन दुनिया का सबसे ताक़तवर हथियार

इंटरनेट और सोशल मीडिया ने बिज़नेस करने का तरीका पूरी तरह बदल दिया है। आज हर कंपनी ऑनलाइन मौजूद होना चाहती है और अपने प्रोडक्ट या सर्विस को डिजिटल प्लेटफॉर्म के ज़रिये लोगों तक पहुंचाना चाहती है। इसी वजह से डिजिटल मार्केटिंग एक हाई-डिमांड सेक्टर बन चुका है। इस फील्ड में SEO एक्सपर्ट, सोशल मीडिया मैनेजर, कंटेंट मार्केटर, परफॉर्मेंस मार्केटिंग स्पेशलिस्ट और डिजिटल ब्रांड स्ट्रेटजिस्ट जैसे प्रोफाइल्स की काफी डिमांड है। खास बात यह है कि इस सेक्टर में डिग्री से ज़्यादा स्किल, क्रिएटिविटी और रिज़ल्ट मायने रखते हैं। अनुभवी डिजिटल मार्केटिंग प्रोफेशनल्स को 5 से 12 लाख रुपये सालाना तक का पैकेज आसानी से मिल सकता है। फ्रीलांसिंग और रिमोट वर्क के विकल्प इसे और भी आकर्षक बनाते हैं। छोटे शहरों और कस्बों के युवाओं के लिए भी यह सेक्टर बड़े मौके खोल रहा है।

युवाओं के लिए क्या सीख?

2026 तक करियर की दुनिया में वही लोग आगे रहेंगे जो समय रहते खुद को अपग्रेड करेंगे। सिर्फ़ डिग्री पर निर्भर रहना अब काफ़ी नहीं है। नई स्किल्स सीखना, ऑनलाइन कोर्स करना, इंटर्नशिप और प्रैक्टिकल अनुभव हासिल करना बेहद ज़रूरी हो गया है। AI, ग्रीन एनर्जी और डिजिटल मार्केटिंग—ये तीनों सेक्टर इस बात का सबूत हैं कि आने वाला समय स्किल-बेस्ड करियर का है। जो युवा आज सही दिशा में मेहनत करेंगे, वही कल अच्छी सैलरी, सम्मान और स्थिर भविष्य हासिल कर पाएंगे। उभरते हुए हाई-डिमांड सेक्टर्स न सिर्फ़ रोज़गार के नए रास्ते खोल रहे हैं, बल्कि देश की तरक़्क़ी में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

बैंक ऑफ बड़ौदा में 441 पदों पर भर्ती

बैंक ऑफ बड़ौदा यानी BOB ने आईटी प्रोफेशनल्स की भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती अभियान के तहत 418 पद रेगुलर और 23 पद कॉन्ट्रैक्ट बेसिस पर भरे जाएंगे। फीस जमा करने की आखिरी तारीख 19 फरवरी, 2026 तय की गई है।

आवेदन शुरू :
30 जनवरी से 19 फरवरी 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
कंप्यूटर साइंस, सूचना प्रौद्योगिकी या इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन से फुल-टाइम बीई/बीटेक/एमई/एमटेक/एमसीए की डिग्री।

एज लिमिट :
आयु सीमा 1 जनवरी, 2026 के अनुसार तय की गई है।

रेगुलर पोस्ट :
न्यूनतम : 22 वर्ष
अधिकतम : 32 से 37 वर्ष (पद के अनुसार)

कॉन्ट्रैक्चुअल पोस्ट :
न्यूनतम : 25 वर्ष
अधिकतम : 40 वर्ष

जरूरी एक्सपीरियंस :
जूनियर पदों के लिए : कम से कम 1 साल का अनुभव।
सीनियर पदों के लिए : 5 साल तक का अनुभव।

सिलेक्शन प्रोसेस :
ऑनलाइन टेस्ट
शॉर्टलिस्टिंग
साइकोमेट्रिक टेस्ट
पर्सनल इंटरव्यू
क्रेडिट हिस्ट्री वेरिफिकेशन

फीस :
जनरल, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी : 850 रुपए
एससी, एसटी, पीडब्ल्यूडी, ईएसएम, डीईएसएम, महिलाएं : 175 रुपए

सैलरी :
पद के अनुसार 48,480 - 85,920 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट bankofbaroda.in पर जाएं।
अब 'Recruitment of Local Bank Officer 2025' लिंक चुनें।
नया पेज खुलने पर 'Current openings' टैब पर क्लिक करें।
यहां अप्लाई ऑनलाइन लिंक पर क्लिक करें।
रजिस्ट्रेशन करके फॉर्म भरें।
फीस का भुगतान करें।
फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

भारतीय डाक विभाग में 28,740 पदों पर भर्ती के लिए कल से शुरू आवेदन

भारतीय डाक विभाग में 28,740 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट indiapostgdsonline.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
31 जनवरी से 14 फरवरी 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मान्यता प्राप्त बोर्ड या संस्थान से 10वीं कक्षा पास।
10वीं कक्षा में एक विषय मातृभाषा का जरूर होना चाहिए।
कंप्यूटर और साइकिल चलाने का नॉलेज।

फीस :
सामान्य ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 100 रुपए
अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पीडब्ल्यूडी, महिला : नि:शुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :
मेरिट बेसिस
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट indiapostgdsonline.gov.in पर जाएं।

इस भारतीय महिला टीचर ने लहराया विश्व में परचम

-दुनियाभर के अध्यापकों को पछाड़ जीता ये अवार्ड, मिला करोड़ों का इनाम

इस वक्त भारत की एक महिला टीचर रूबल नागी का पूरे देश में शोर हो रहा है। रूबल शिक्षा से वंचित बच्चों को अलग तरीके से पढ़ाकर दुनियाभर में छा गई है। यह महिला टीचर गरीब बच्चों को उनकी झुग्गी-झोपड़ियों की दीवारों को किताब बनाकर पढ़ा रही है और उनमें ज्ञान का सागर भरने का काम कर रही हैं। इसी के चलते उन्हें शिक्षा के क्षेत्र के सबसे प्रतिष्ठित वैश्विक सम्मान 'ग्लोबल टीचर प्राइज 2026' से नवाजा गया है। दुबई में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उन्हें 10 लाख डॉलर के ग्लोबल प्राइज से सम्मानित किया गया है। महिला टीचर के लिए यह सम्मान सिर्फ उनकी मेहनत का फल नहीं है, बल्कि उन बच्चों की भी जीत है, जिन्हें वह सालों से पढ़ा रही हैं। रूबल नागी एक भारतीय टीचर होने के साथ-साथ एक सोशल एक्टिविस्ट भी हैं।

30 से 10 लाख बच्चों तक का सफर

दुबई में हर साल होने वाले इस आयोजन में दुनियाभर के नेता और एक्सपर्ट शामिल होते हैं, जहां रूबल ने भारत को रिप्रेजेंट किया था। रूबल ने आज से 24 साल पहले एक वर्कशॉप चलाई थी, जिसमें शुरुआत में सिर्फ 30 बच्चे जुड़े थे। अब रूबल भारत में ऐसे 800 से ज्यादा ट्रेनिंग सेंटर चला रही हैं, जहां लाखों बच्चे शिक्षा ले रहे हैं। रूबल नागी आर्ट फाउंडेशन नामक उनकी संस्था देश के गरीब बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का काम कर रही है। इन सेंटर में उन बच्चों में शिक्षा की अलख जगाई जा रही है, जिन्होंने कभी स्कूल की शक्ल तक नहीं देखी है।

दीवारों को बनाया बोर्ड

रूबल अपने पढ़ाने के तरीके से भी मशहूर हैं। वह जगह-जगह दीवारों पर पढ़ाना शुरू कर देती हैं। वह कुछ चित्र बनाती हैं और इन चित्रों के जरिए बच्चों को गणित, इतिहास और कई सब्जेक्ट के बारे में पढ़ाती हैं। वहीं, पुरस्कार लेते समय रूबल ने कहा था कि यह सम्मान मिलना उनके देश भारत के लिए बहुत गर्व की बात है। रूबल का बचपन से ही सपना था कि हर बच्चा स्कूल जाए। अब वह इनाम में मिली राशि को ऐसे संस्थान खोलने में खर्च करेंगी, जहां उन्हें फ्री कमर्शियल ट्रेनिंग दी जाएगी और बच्चे आत्मनिर्भर बन सकेंगे। वहीं, यूनेस्को की एसोसिएट जनरल डायरेक्टर स्टेफानिया जियानिनी ने कहा कि यह सम्मान बताता है कि शिक्षक देश की दशा को बदलने की हिम्मत रखते हैं। बता दें यह अवार्ड जीतने वाली रूबल 10वीं शिक्षिका हैं। इधर, भारत में रूबल नागी के इस उपलब्धि के लिए लोग उन्हें खूब बधाई दे रहे हैं और उनकी तारीफ भी कर रहे हैं।

रॉयल पत्रिका

जयपुर से प्रकाशित होने वाले हिंदी अख़बार "रॉयल पत्रिका" साप्ताहिक में आप वैवाहिक, मकान बेचना है, मकान खरीदना है, इत्यादि के विज्ञापन देकर अपना वक़्त बचा सकते हैं। यह विज्ञापन बहुत ही रियायती रेट में छापे जाते हैं। विज्ञापन बुक करवाने के लिए संपर्क करें -

9772552446/9799559096

राजस्थान में 10,644 पदों पर निकली भर्ती

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड यानी RSSB ने एलडीसी ग्रेड-II और जूनियर असिस्टेंट पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार RSSB की ऑफिशियल वेबसाइट rssb.rajasthan.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती के लिए आवेदन करने से पहले वन टाइम रजिस्ट्रेशन (OTR) करना जरूरी होगा।

आवेदन शुरू :
15 जनवरी से 13 फरवरी 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
CET पास
12वीं पास
कंप्यूटर कोर्स किया होना चाहिए।
राजस्थानी संस्कृति का सामान्य ज्ञान।
हिंदी का वर्किंग नॉलेज।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 40 साल
राजस्थान के आरक्षित वर्गों और महिलाओं को सरकारी नियमों के अनुसार 5 से 10 साल की छूट मिलेगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
लिखित परीक्षा
टाइपिंग टेस्ट

सैलरी :
पे मैट्रिक्स लेवल-5 के अनुसार

फीस :
जनरल, क्रीमीलेयर ओबीसी : 600 रुपए
नॉन क्रीमीलेयर ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, एससी, एसटी : 400 रुपए

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rssb.rajasthan.gov.in पर जाएं।

अल्पसंख्यक विभाग द्वारा नव-नियुक्त जिला अध्यक्षों का सम्मान एवं प्रशिक्षण शिविर आयोजित

-बारां जिलाध्यक्ष अली हुसैन टीपू का जयपुर में हुआ सम्मान

बारां (रॉयल पत्रिका)। कॉन्स्टिट्यूशन क्लब, जयपुर में शनिवार को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग द्वारा सभी नव-नियुक्त जिला अध्यक्षों का सम्मान समारोह एवं प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पार्टी की रीति-नीति से नव-नियुक्त पदाधिकारियों को अवगत कराना तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाना रहा। इस अवसर पर 16 फरवरी 2026 को जयपुर में आयोजित होने वाले "पैग़ाम-ए-मोहब्बत सद्भावना सम्मेलन" की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता एम.डी. चोपदार, प्रदेश अध्यक्ष, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (अल्पसंख्यक विभाग) ने की। अपने संबोधन में एम.डी. चोपदार ने कांग्रेस के जिला अध्यक्षों को पार्टी की मजबूत नींव बताते

हुए कहा कि संगठन की ताकत जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले पदाधिकारियों से ही बनती है। उन्होंने सभी नव-नियुक्त अध्यक्षों से कांग्रेस के हाथ मजबूत करने और पार्टी की नीतियों को आमजन तक पहुंचाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग बारां के जिलाध्यक्ष अली हुसैन टीपू को अतिथियों द्वारा शॉल ओढ़ाकर, सूत की माला पहनाकर एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं प्रदेश अध्यक्ष एम.डी. चोपदार द्वारा भी कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का पारंपरिक तरीके से सम्मान किया गया। कार्यक्रम में संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने का संकल्प दोहराया गया।

एएमपी कोटा एवं डॉ. ज़ाकिर हुसैन एजूकेशनल एण्ड सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा रोज़गार मेले का आयोजन

कोटा (रॉयल पत्रिका) । चिल्ड्रन टी टी कॉलेज दादाबाड़ी कोटा में एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनलस कोटा व डॉ. ज़ाकिर हुसैन एजूकेशन एवं वेलफेयर सोसाइटी कोटा के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार 07 फरवरी 2026 को रोज़गार मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी रिज़वानुद्दीन अंसारी के अनुसार प्रोग्राम की अध्यक्षता काजी-ए-शहर कोटा जुबेर अहमद साहब ने की। अन्य मेहमानों में एएमपी संभाग क्लस्टर हेड इंजीनियर सिराज अहमद अंसारी, चेप्टर हेड कोटा क़मरूज़्ज़मान खान, डॉ. ज़ाकिर हुसैन एजूकेशनल एण्ड वेलफेयर सोसाइटी कोटा के अध्यक्ष हकीम बख़्श, सेक्रेटरी मोहम्मद रफीक कुरेशी, चिल्ड्रन स्कूल के चेयरमैन शफी खान, टी टी कॉलेज के डायरेक्टर सी ए इस्लाम खान, अरशद अंसारी चेयरमैन वाई जी एन आदि रहे।

रोज़गार मेला में जिन 15 कम्पनियों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं उनमें इन्श्योरेन्स हब, येलसा टेक प्राइवेट लिमिटेड, रीफा ग्रुप, एयरटेल, पुखराज हेल्थकेयर, जो बोक्स प्राइवेट लिमिटेड, सूज़लोन, सर्वोदय स्माल लाइफ, ब्लिंकिट, इलेक्ट्रिकल एन्ड सोलर, टाटा मोटर्स, आधुनिक सुजूकी, ए यूं फाउंडेशन, एल बी एस ग्रुप एवं आर सी एस प्लेसमेंट्स आदि प्रमुख रहीं। 200 केन्डिडेट्स ने अपने रिज्यूम प्रस्तुत किये जिनमें से 90 आशार्थियों का चयन कर आगे के प्रोसेस के लिए भेज दिया गया। प्रोग्राम में एएमपी व डॉ. ज़ाकिर हुसैन एजूकेशनल व वेलफेयर सोसाइटी कोटा को सहयोग के लिए इमरान खान, रहीम बख्श, एम ज़ेड ए खान, सलीम अब्बासी, नोशे मियां, मुख़्तार अंसारी, ज़ुल्फ़िकार पठान, ज़ाहिद हुसैन, मेहफूज अंसारी, इंजीनियर सलामत अली, सलीम खान, गफ्फार भाई, गुड्डू भाई फिरदौस होटल, रिज़वान जैड, जुबेर हसन, सुहेल कुरेशी, शाहिद मोहम्मद, अब्दुल मजीद अंसारी, सी आई शोकत ख़ान, ज़रग़ाम अहमद, अप्सरा अंसारी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अंत में एएमपी चेप्टर हेड क़मरूज़्ज़मान खान ने सभी कम्पनियों के प्रतिनिधियों और मेम्बरान का धन्यवाद अर्पित किया।

पठान वेलफेयर सोसाइटी द्वारा समाज के 65 वर्ष से अधिक के वृद्धजनों का सम्मान समारोह आयोजित

बारां (रॉयल पत्रिका) । पठान वेलफेयर सोसाइटी बारां द्वारा रविवार 08 फरवरी को शहर के अंजुमन मैरिज हॉल में पठान वेलफेयर सोसाइटी से जुड़े समाज के 65 वर्ष से अधिक के बुजुर्ग लोगों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सोसाइटी के प्रवक्ता पार्षद जाकिर खान ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता सदर मोहम्मद इलयास पठान ने की। समारोह में 65 वर्ष से अधिक उम्र के समाज के 140 वृद्धजनों का मोतियों की माला ओर साफा पहनाकर मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। सोसाइटी के जुगनू पठान ने बताया कि समारोह सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे

तक चला। इस दौरान समारोह में सोसाइटी के सेकेट्री मन्नू पठान, खजांची साजिद खान लजीज, मास्टर मुमताज खान, पत्रकार मोहम्मद अन्नू, मुफ्ती मोहम्मद उमर मजाहिरी, अलीम पठान, रईस खान बर्तन वाले, अब्दुल अजीज अज्जू, अबरार ई मित्र, राजू खान बर्तन वाले, पार्षद परवेज खान, राजा भाई लजीज, हाफिज आशु खान सहित शूरा मेंबर मौजूद रहे ।

वीरेंद्र सिंह गुर्जर दूसरी बार बने झालावाड़ कांग्रेस के जिला अध्यक्ष

-प्रमोद जैन भाया का मिला आशीर्वाद

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। जयपुर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर वीरेंद्र सिंह गुर्जर एडवोकेट को दूसरी बार कांग्रेस के झालावाड़ जिला अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया है। ऐसे में दूसरी बार जिला अध्यक्ष बने के पीछे भाया का आशीर्वाद माना जा रहा है, वीरेंद्र गुर्जर, प्रमोद जैन भाया के विश्वास पात्र व्यक्तियों में से एक है, प्रमोद जैन भाया की केमिस्ट्री वीरेंद्र गुर्जर के साथ अच्छी है। ऐसे में उनकी नियुक्ति पर झालावाड़ में खुशी की लहर है

और उनका जगह-जगह स्वागत किया जा रहा है। इससे आगामी पंचायत एवं नगर पालिका चुनाव में कांग्रेस को मजबूती मिलेगी।

जिला संयोजक नियुक्त होने पर वरिष्ठ अधिवक्ता असलम भारती का वक्फ कार्यालय पर स्वागत

-वक्फ कमेटी चेयरमैन इरफान अंसारी के नेतृत्व में आयोजित हुआ कार्यक्रम

बारां (रॉयल पत्रिका) । दी बार एसोसिएशन वक्फ, जयपुर द्वारा बारां जिले के जिला संयोजक नियुक्त किए गए वरिष्ठ अधिवक्ता मोहम्मद असलम भारती का वक्फ कमेटी कार्यालय पर वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इरफान अंसारी के नेतृत्व में स्वागत सत्कार कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ता असलम भारती का फूल-मालाएं पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर तथा मुँह मीठा कराकर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए मुबारकबाद पेश की गई। इस अवसर पर वक्फ संपत्तियों के संरक्षण, अवैध कब्जों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई और मामलों की प्रभावी पैरवी को लेकर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इरफान अंसारी, पूर्व वक्फ कमेटी

चेयरमैन जाकिर मंसूरी, हाजी लियाकत अली मेव, पूर्व डीसीसी उपाध्यक्ष अशरफ देशवाली, अब्दुल अजीज अंसारी, अब्दुल रशीद पठान, पूर्व अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष शाहिद कुंडी, नासिर मिर्ज़ा, वक्फ कमेटी के नायब सेकेट्री अब्दुल हक हक्का भाई, रशीद लोढ़ी, नियाज़ मोहम्मद, साबिर खान, अख़लाक़ अंसारी, खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव पिंकू खान, इरफान अशरफी, रईस फेजी, बबलू नेशनल, राजा फर्नीचर, मारूफ लाला, वसीम अंसारी, कलाम स्टोन, शाहिद इकबाल भाटी, हसन खान, मुन्ना भाई कनापूर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मतदाता साक्षरता उत्सव का आयोजन

- युवाओं में लोकतांत्रिक सहभागिता को बढ़ावा

शब्बीर हुसैन

बारां(रॉयल पत्रिका)। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिला निर्वाचन अधिकारी कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर एवं सीईओ व नोडल अधिकारी स्वीप राजवीर सिंह चौधरी के मार्गदर्शन में युवाओं की लोकतांत्रिक सभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, पुराना थाना में इलेक्टोरल लिटरेसी फेस्टिवल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर तहसीलदार दशरथ मीणा ने विद्यार्थियों एवं उपस्थित लोगों को मताधिकार का महत्व बताते हुए प्रत्येक चुनाव में मतदान करने का संकल्प कराया। प्रधानाचार्य मंजू राठौर ने विद्यार्थियों को बेस्ट ईएलसी अवार्ड की बधाई देते हुए विद्यालय में नियमित की जाने वाली ईएलसी गतिविधियों के बारे में बताया।

युवाओं ने जानी निर्वाचन की ऑनलाइन प्रक्रिया:-

समारोह में सह प्रभारी स्वीप अमित भार्गव ने कहा कि लोकतंत्र में युवाओं की भूमिका अहम होती है,क्योंकि युवा अपनी शिक्षा, तकनीकी समझ और नए दृष्टिकोण से देश के नीति-निर्माण में योगदान दे सकते हैं,साथ ही ईसीआई नेट ऐप द्वारा निर्वाचन के चारों महत्वपूर्ण एप्लीकेशंस से रूबरू कराया गया तथा वोटर हेल्पलाइन ऐप एवं मतदाता सेवा पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपना पंजीयन मतदाता सूची में करने की प्रक्रिया समझाई गई।एवं पोर्टल्स के माध्यम से मिलने वाली सुविधाओं की विस्तृत जानकारी भी दी गई। पंजीकरण आवेदन एवं मतदाता विवरण संशोधन के लिए फॉर्म-6, फॉर्म-7 एवं फॉर्म-8 की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया।

विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम के द्वारा किया मतदान के प्रति जागरूक:-

कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी ममता नागर के नेतृत्व में ईएलसी सदस्यों ने आकर्षक पोस्टर एवं मेहंदी में जागरूकता संबंधी स्लोगन लिखते हुए मतदान के प्रति जागृति का संदेश संजोया वही बालिकाओं ने मतदान बड़ा है जरूरी जैसे जागरूकता गीतों पर मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति से सभी का ध्यान मतदान करने की ओर आकर्षित किया।

ईएलसी गतिविधियों के लिए किया पुरुस्कृत:-

समारोह के दौरान विद्यालय में आयोजित की गई विविध स्वीप गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रस्तुति के लिए विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर उत्साह वर्धन किया गया, विविध प्रतियोगिताओ में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर-रंगोली में कल्पना गुर्जर, राधिका सुमन, मुस्कान प्रजापति, पोस्टर प्रतियोगिता में कल्पना गुर्जर, नैना बैरवा, मोनिका सुमन तथा मेहंदी प्रतियोगिता में छाया, आरती, आयुषी विजेता रहीं। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, संचालन वरिष्ठ अध्यापिका नीति शर्मा ने किया। समारोह के दौरान स्वीप सदस्य रामचरण मीणा, नरेश कुमार, व्याख्याता सुनीता अग्रवाल, बीएलओ अमरदीप राठौर, सूरजमल रेनवाल, अब्दुल हफीज, अध्यापक अशोक कुमार योगी, बुद्धि प्रकाश जोशी, अनिल शर्मा, कलावती पारीक, रोहित नागर, स्टाफ सदस्य एवं अभिभावक गण मौजूद रहे।

रावतभाटा-कोलीपुरा मार्ग की सुरक्षा दीवार पर दिखा तेंदुआ

डॉ. तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। रावतभाटा कोलीपुरा जाने वाले मार्ग पर एक बार फिर शनिवार शाम 5 बजे एक तेंदुआ दिखा। इससे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार रावतभाटा निवासी सांवरा गुर्जर ने घाट क्षेत्र में सड़क किनारे बनी सुरक्षा दीवार पर तेंदुए को चलते हुए देखा। प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार तेंदुआ काफी देर तक सुरक्षा दीवार पर चलता रहा। आसपास मौजूद वाहन चालक और लोगों में भय का माहौल हो गया। मौके पर अफरा-तफरी के हालात हो गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह पहली बार नहीं है, इससे पहले भी कई बार

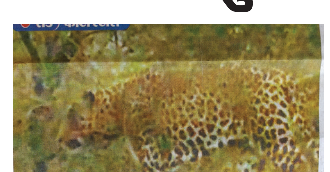

रावतभाटा-कोलीपुरा मार्ग व घाट क्षेत्र में लेपर्ड को देखा गया है। इससे ग्रामीणों में डर है। ग्रामीणों ने वन विभाग और प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में गश्त बढ़ाई जाए तथा लेपर्ड की गतिविधियों पर निगरानी रखी जाए, ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि से बचा जा सके। विशेषकर रात्रि के समय इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

पंचायत शाह समाज की बैठक आयोजित

बारां (रॉयल पत्रिका) । पंचायत शाह समाज बारां की एक बैठक रविवार 08 फरवरी 2026 को तालाब की पाल श्रमिक कॉलोनी में समाज के मुस्लिम जमात खाने में संपन्न हुई। बैठक में जमात खाने में चल रहे निर्माण कार्य को जल्द पूर्ण करवाने ओर आगामी इज्तेमाई निकाह सम्मेलन को लेकर विचार विमर्श किया गया। इस दौरान वर्तमान में अपने कार्यकाल में समाज की भलाई के लिए बेहतरीन कार्य करने पर सदर माशूक अली चिश्ती, सेकेट्री डॉक्टर वसीम अहमद शाह ओर खजांची गुलजार बेहलीम का समाज के पदाधिकारियों द्वारा माला ओर साफा पहनाकर मुंह मीठा करवाकर स्वागत किया गया। इस दौरान उमर फारूक, रईस अहमद, खुर्शीद आलम, सिद्धिक बाबा, जाकिर भाई गढ़, बूंदू भाई, माजिद अली, फिरोज भाई, शफी भाई अल्लारख्खा, रहीम भाई सहित कई लोग मौजूद रहे।

मंडावर पुलिस चौकी में ग्रामीणों ने जाब्ता लगाने की मांग की

-3 साल से पुलिस जाब्ता नहीं

फिरोज खान वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। शहर के नजदीक करीब 7 किलोमीटर दूर मंडावर कस्बे में स्थित पुलिस चौकी में तीन साल से पुलिस जाब्ता नहीं है ऐसे में क्षेत्र में शराबियों व असामाजिक तत्व कस्बे में घूमते रहते है। ग्रामीणों ने 8 फरवरी 2026 को जानकारी देते हुए बताया कि मंडावर में थाना कस्बे से चौकी 5 किलोमीटर दूर है, किसी भी प्रकार का कोई झगडा होने पर पुलिस को आने में समय लगता है, वही पुलिस चोकी में थाने का दूरभाष नंबर बीट प्रभारी का नम्बर चस्पा नही है, इस कारण ग्रामीणों को पुलिस थाने से सम्पर्क करने में काफी परेशानी होती है, पुलिस चौकी पर जाब्ते को लेकर ग्रामीणों ने कई बार सीएलजी बैठक में भी अवगत कराया है। मंडावर निवासी

कुलदीप, सोनू, विजय सिंह राजू ग्रामीणों ने बताया कि पहले चौकी पर हेड कांस्टेबल तैनात रहे है लेकिन उनका प्रमोशन होने के बाद चौकी पर स्थाई रूप से किसी को नही लगाया है, जबकि दिनभर लोगों की गांवों में भीड़ भाड़ बनी रहती है, जबकि रात के समय कुछ असामाजिक तत्वों का आना जाना शुरू हो जाता है, ऐसे में विवाद होने की स्थिति बनी रहती है, वही देखभाल के अभाव में अब चौकी भी जर्जर हालत में होने लगी है,ऐसे रात के समय चोरी आधी की घटनाएं भी होती रहती है, ग्रामीणों ने पुलिस चौकी में स्टाफ लगाए जाने की मांग की है, साथ ही जर्जर होने पर इसकी मरम्मत भी कराए जाए।

मदरसा अंजुमन इस्लामियां की 12 वीं कक्षा का विदाई समारोह आयोजित

-अंजुमन सदर मन्नू पठान के मुख्य आतिथ्य में हुआ समारोह आयोजित

बारां (रॉयल पत्रिका)। मोहम्मद अशफाक भाईजान मेमोरियल मदरसा अंजुमन इस्लामियां सीनियर सेकेंडरी स्कूल अंजुमन चौराहा बारां की कक्षा 12 वीं का विदाई समारोह शनिवार 07 फरवरी 2026 सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक मदरसे में आयोजित हुआ। अंजुमन के प्रवक्ता शब्बीर हुसैन ने बताया कि विदाई समारोह के मुख्य अतिथि अंजुमन सदर मोहम्मद शाहिद मन्नू पठान रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में नायब सदर मोहम्मद अशफाक मयूर, साजिद खान लजीज, सेकेट्री मोहम्मद इमरान रंगरेज, खजांची मास्टर अय्यूब अली, तालीम कन्वीनर अलीम खान, प्रोग्राम कन्वीनर इकबाल नेता मंच पर मौजूद रहे। अंजुमन सदर मन्नू पठान ने बच्चियों को संबोधित करते हुए कहा कि पूरे साल आपने जो तालीम हासिल की है उसको अंजाम तक पहुंचाने ओर सफलता हासिल करने में कोई कसर बाकी

न रखना। तालीम कन्वीनर अलीम खान ओर खजांची मास्टर अय्यूब अली ने कहा कि अपने माता - पिता की मेहनत की कमाई से आप इस मुकाम पर पहुंचे हो हमेशा अपने माता-पिता की इज्जत करना ओर बेहतर तालीम हासिल करके मदरसे ओर अपने स्टॉफ का नाम रोशन करना। प्रोग्राम में बच्चियों ने हम्द, नात के साथ बेहतर नज्में पेश की। प्रोग्राम में 11 वीं कक्षा की बच्चियों ने 12 वीं कक्षा की बच्चियों को गिफ्ट देकर हौसला अफजाई की। प्रोग्राम में अंजुमन सदर मन्नू पठान ने घोषणा भी की के जिस बच्ची के 12 वीं बोर्ड कक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक आएंगे उसे वो अपने निजी खर्चे से बेहतरीन ईनाम से नवाजेंगे। प्रोग्राम में प्रिंसिपल सादिक हुसैन, वाईस प्रिंसिपल आबिद देशवाली, मुमताज खान, अनवर हाशमी, मोहम्मद हुसैन, जफीर अहमद, मंसूर अली सहित मदरसे का स्टॉफ मौजूद रहा। प्रोग्राम का संचालन इरफान मंसूरी ने किया।

अवैध मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ पुलिस थाना भवानीमंडी की प्रभावी कार्यवाही

-अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए पाउडर सहित समीर व अब्दुल सलाम को किया गिरफ्तार

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरूद्व जिला स्तर पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है अभियान में अधिक से अधिक प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जिले के सभी थानाधिकारीयों को थाना स्तर पर टीम गठित कर अपराधियों की धरपकड हेतु निर्देशित किया गया था जिसके अन्तर्गत पुलिस थाना भवानीमंडी टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ कार्यवाही करते हुये 02 आरोपीयों को गिरफ्तार कर आरोपीगणो के कब्जे से 10 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए पाउडर (मैथीलीन डाईऑक्सी मैथेम्फेटामाईन) को जप्त करने में सफलता प्राप्त की है।

घटना विवरणः-

दिनांक 08.02.2026 को देर रात्री. प्रमोद कुमार पुनि थानाधिकारी पुलिस थाना भवानीमंडी मय जाप्ता द्वारा अवैध कार्यों की चैकिंग व रोकथाम हेतु दौराने गश्त रेल्वे स्टेशन के पास पीली कोठी भवानीमण्डी से 02 व्यक्ति समीर एवं अब्दुल सलाम को एक बिना नंबरी मोटरसाईकिल सहित डिटेन कर डिटेनशुदा व्यक्तियो की तलाशी लेने पर 10 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए पाउडर (मैथीलीन डाईऑक्सी मैथेम्फेटामाईन) को जप्त कर समीर एवं अब्दुल सलाम गिरफतार किया जाकर तस्करी के परिवहन में प्रयुक्त वाहन मोटरसाईकिल को जप्त किया जाकर उक्त दोनो के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओ में प्रकरण दर्ज किया गया।

कार्यवाही पुलिसः-

जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार व भागचन्द मीणा अतिरिक्त, पुलिस अधीक्षक झालावाड़ के निर्देशन एवं प्रेमकुमार आरपीएस वृताधिकारी वृत भवानीमंडी के निकटतम सुपरविजन मे प्रमोद कुमार पु.नि. थानाधिकारी पुलिस थाना भवानीमंडी के नेतृत्व में थाना हाजा पर विशेष टीम का गठन किया गया गठित टीम द्वारा आसुचना संकलन एवं मुखबीरान की सुचना पर दौराने गश्त रेल्वे स्टेशन के पास पीली कोठी भवानीमण्डी से अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करते हुये 01.समीर पुत्र नईम अली जाति फकीर मुसलमान उम्र 25 साल निवासी वार्ड नम्बर-08, नाथो की टोडी, खैराबाद पुलिस थाना रामगंजमण्डी जिला कोटा ग्रामीण (राज.) 02. अब्दुल सलाम पुत्र शोकत अली जाति मुसलमान उम्र-20 साल निवासी वार्ड नम्बर-05, गोयंदा रोड, हिरिया खेडी, खैराबाद पुलिस थाना रामगंजमण्डी जिला कोटा ग्रामीण (राज.) को गिरफ्तार किया जाकर आरोपीगणो के कब्जे से 10 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए पाउडर जप्त कर तस्करी के परिवहन में प्रयुक्त वाहन मोटरसाईकिल बिना नंबरी को जप्त किया गया। आरोपीगणो द्वारा अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए पाउडर किससे खरीदा और किसको देने जा रहे थे के बारे में अनुसंधान जारी है।

आरज़ू वाई ग्रुप द्वारा नए प्रतिष्ठान होटल लोबान का शुभारंभ

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर भालेरी रोड, आपणी योजना के पास रविवार को आरजू वाई ग्रुप के द्वारा नई प्रतिष्ठान होटल लोबान का शुभारम्भ भाजपा एससी मोर्चा के प्रदेश मंत्री सीता राम लुगरीया मुख्य अतिथि द्वारा फिता काटकर किया गया। विशिष्ठ अतिथी भाजपा स्वच्छ भारत मिशन के जिला संयोजक भंवर गुर्जर, सैन समाज के राष्ट्रीय अध्यन सुरेश नाई बुटिया, करणी सिंह रायपुरीया, नबाब खा जोईया के आतिथ्य में कार्यकर्म हुआ। मुख्य अतिथि सीताराम लुगरिया ने कहा होटल लोबान में लजीज खाने की क्वालिटी मिलेगी और शहर में इस होटल का स्वादिष्ट खाने का लाजवाब स्वाद यहाँ मिलेगा। आये हुये अतिथियों का फूल मालाओं से स्वागत किया गया। होटल के मैनेजिंग डायरेक्टर आरज़ू वाई ग्रुप के चेयरमैन जंगशेर खान पीतीसर ने कहा यह एक भव्य यादगार अवसर है जो नए व्यवसाय की शुरुआत और सफलता का प्रतीक है इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य शहर वासियों को नए स्वाद और बेहतरीन आतिथ्य से मेहमान नवाजी के नए सफर एवं जश्न की शुरुआत है। इस मौके पर सजावट की गई और आए

हुए सभी मेहमानों को जलपान कराया गया। उद्घाटन समारोह में आए हुए शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र से गणमान्यजन अकबर हुसेन, सबीर खाँ, नबाब खां, रमजान खां मलवाण, अल्ताफ पीतीसर, भगवान सिंह भाटी, जाफर खां, निजाम खां कालुसर, युसुफ खां कालुसर, बल्लूखा फोजी, मनोहर खां फोजी, युसुफ खां मीर, के. डी. चारण, निजामुद्दीन बहलीम, इमरान खान जोईया, हरीराम चावला शिवकुमार शर्मा, ओमप्रकाश मोल्यान, आसिफ टुकड़ा, रमजान खां जोईया, युसुफ खां चायल, आमिन खान आरजु वाई, यूनस खान आरजू वाई, इनायत खां चायल, धन्नु खां चायल, एडवोकेट शंकर सिंह सिंहमार, एडवोकेट चन्द्रमभान कोटवाद, आबिद चूरू, नाजम अली खां भुवाण, ताजु खां चायल, असलम पठान, सिराज खान जोईया, ईनायत खां भुवाण, नजीर खां, मोयल, युसूफ खा चोहान, नानु खां ठेकेदार, युसुफ़ खां सीकर, हाकम अली भुवाण, उमेद खां भुवाण, मुस्ताक खां कालुसर, जाफार खां लावण्डा, असगर खां राजपुरा, अयुब खां झारिया, रहिम आरजू वाई, करीम आरजू वाई, फरदीन आरजू वाई आदि बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। सरपंच वसीम खान आरजू वाई ने आए हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

खेजड़ी बचाने को लेकर सांचौर में आंदोलन तेज

-बीकानेर महापड़ाव के समर्थन में सांचौर उपखण्ड मुख्यालय के बाहर धरना जारी

सांचौर (रॉयल पत्रिका) । राज्य वृक्ष खेजड़ी सहित अन्य देसी वृक्ष की अंधाधुंध कटाई के विरोध में पर्यावरण संग्रह समिति सांचौर की ओर से आंदोलन तेज कर दिया है बीकानेर में पड़ाव के समर्थन में सांचौर में एसडीएम कार्यालय के सामने लगातार धरना जारी। आंदोलनकारी का कहना है कि वर्तमान कानून अपर्याप्त हैं गैर जमानती सजा और कड़े दंड प्रावधानों वाला नया टी एक्ट बनाया जाना जरूरी है।

ज्ञापन में मांग की गई कि किसी भी परियोजना को स्वीकृति देने से पहले पेड़ों की गिनती कर जिओ ट्रैकिंग की जाए, ग्राम पंचायत, नगर पालिका या नगर परिषद से एनओसी अनिवार्य हो तथा प्रत्येक परियोजना में ग्रीन बेल्ट विकसित करना जरूरी किया जाए। साथ ही वन विभाग व पुलिस विभाग को स्पष्ट जिम्मेदारी देकर पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, ताकि कानून का प्रभावी क्रियान्ययन हो सके। समिति ने सांचौर एसडीएम के माध्यम

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को ज्ञापन भेज कर खेजड़ी,रोहिडा, जाल, कुमढ़ व फाग जैसे वृक्षों के संरक्षण के लिए अलग से कठोर और प्रभावित एक्ट बनाने की मांग की है। पर्यावरण प्रेमियों ने बताया कि राज्य में चल रहा है विभिन्न विकास प्रोजेक्ट के चलते लाखों हरे भरे पेड़ काटे जा चुके हैं। जिसमें जोधपुर, बीकानेर, नागौर और बाड़मेर, बालोतरा, फलोदी, जालौर जिलों में बड़ी संख्या में खेजडियों सहित अन्य देसी वृक्ष की कटाई हुई है जिसे पर्यावरण संतुलन बिगड़ता जा रहा है आंदोलनकारी ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते कठोर कानून नहीं बनाया गया तो अनिश्चितकालीन धरना कार्मिक पेंशन और आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। इस दौरान नगर परिषद सभापति नरेश सेठ, अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा जालौर के जिला प्रधान सुरजन राम, सांचौर जिला प्रधान पुनाराम बिश्नोई, बार एसोसिएशन अध्यक्ष सदराम साहू, राजूराम बगड़वा,पूर्व अध्यक्ष भीमाराम चौधरी,संयुक्त व्यापार संघ के अध्यक्ष हरीश पुरोहित, व्यापार संघ के उपाध्यक्ष दलपत सिंह रणोदर, अमराराम माली स्मृति वन अध्यक्ष सहित हजारों की संख्या में खेजड़ी बचाने को लेकर लोगों का हुजूम मौजूद रहा।

मुफ्ती-ए-आज़म राजस्थान की सरपरस्ती में 38 आलिम विद्यार्थियों को इस्लामी डिग्रियों का वितरण

-सहीह बुख़ारी समापन एवं दस्तारबन्दी समारोह संपन्न

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। इस्लामी शिक्षा की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आध्यात्मिक इस्लामी शिक्षण संस्थान दारूल उलूम इस्हाकिया में हदीस के विश्वविख्यात एवं प्रमाणिक ग्रंथ सहीह बुख़ारी शरीफ़ के अध्ययन की समाप्ति के अवसर पर ख़त्म-ए-बुख़ारी, इस्लामी डिग्री वितरण एवं दस्तारबन्दी (पगड़ी-बंदी) समारोह का आयोजन श्रद्धा, अनुशासन एवं आध्यात्मिक वातावरण में किया गया। समारोह मुफ्ती-ए-आज़म राजस्थान हज़रत मौलाना शेर मोहम्मद रज़वी की सरपरस्ती में संपन्न हुआ। इस अवसर पर दीनी शिक्षा पूर्ण करने वाले 38 योग्य आलिम विद्यार्थियों की दस्तारबन्दी कर उन्हें इस्लामी डिग्रियाँ प्रदान कर सम्मानित किया गया। दस्तारबन्दी को इस्लामी परंपरा में ज्ञान, जिम्मेदारी और नेतृत्व का प्रतीक माना जाता है। संस्थान के प्रवक्ता शौकत अली लोहिया ने बताया कि अपने उद्बोधन में मुफ्ती-ए-आज़म राजस्थान मौलाना शेर मोहम्मद रज़वी ने कहा कि ख़त्म-ए-बुख़ारी दीनी तालीम की सर्वोच्च मंज़िलों में से एक है। सहीह अल-बुख़ारी

केवल हदीसों का संकलन नहीं, बल्कि सम्पूर्ण इस्लामी जीवन-पद्धति का मार्गदर्शक ग्रंथ है। इसके अध्ययन से विद्यार्थियों में सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, संयम, सेवा और मानवता के मूल्यों का विकास होता है। समारोह में उत्तर प्रदेश से सैयद कलीम अशरफी, मौलाना सईद अख्तर, मौलाना हासमी काशीपूरी, मौलाना सैयद नूर मियां; नागौर बासनी से मुफ्ती वली मोहम्मद व हाफ़िज़ अल्लाह बख़्श; राजस्थान मदरसा बोर्ड के पूर्व चेयरमैन मौलाना फ़ज़ले हक़ सहित मौलाना उबैदुल्लाह हैदरी, मौलाना हनीफ़ शेरानी, मौलाना इलियास कुम्हारी, बीकानेर से मौलाना कासिल व मौलाना अबुबकर, बाड़मेर से मौलाना अय्यूब, मुफ्ती आलमगीर, क़ारी मोहम्मद इकराम एवं क़ारी अब्दुल वहीद ने अपने विचार व्यक्त किए। उलेमा-ए-किराम ने कहा कि दस्तारे-फ़ज़ीलत केवल सम्मान नहीं, बल्कि समाज, राष्ट्र एवं उम्मत के प्रति जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे हदीस-ए-नबवी के संदेशों को अपने ज्ञान, चरित्र एवं आचरण के माध्यम से समाज में सद्भाव, नैतिकता और भाईचारे के रूप में प्रस्तुत करें। समारोह के अंत में संस्थान के मौलाना बरकत अली अशरफी ने सभी अतिथियों, उलेमा, अभिभावकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उलेमा-ए-किराम, बुद्धिजीवी, समाजसेवी, अभिभावक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे, जिससे आयोजन अत्यंत सफल एवं स्मरणीय बन गया।

वर्ल्ड कैंसर डे पर हस्ताक्षर अभियान और जागरूकता पोस्टर के जरिए लिया संकल्प

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। विश्व कैंसर दिवस के मौके पर मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी में 'हस्ताक्षर अभियान और पोस्टर प्रतियोगिता' का सफल आयोजन किया गया। इस बार वर्ल्ड कैंसर डे 2026 की थीम "यूनाइटेड बाय यूनिक" रही। इस सिग्नेचर कैंपेन में 400 से ज़्यादा स्टूडेंट्स, फैकल्टी मेंबर्स और स्टाफ ने कैंसर जागरूकता के लिए अपना सपोर्ट दिखाने के लिए इसमें हिस्सा लिया और साइन किए। डीन एकेडमिक प्रोफेसर डॉ. इमरान खान पठान ने कहा कि ऐसे कैंपेन कैंसर की रोकथाम, जल्दी पता लगाने और कैंसर मरीज़ों की मदद करने के बारे में जागरूकता फैलाने में अहम भूमिका निभाते हैं। स्टूडेंट्स ने कैंसर की रोकथाम और हेल्दी लाइफस्टाइल पर फोकस करते हुए जागरूकता पोस्टर भी पेश किए। फैकल्टी ऑफ फिजियोथेरेपी की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. फरहाना सिद्दीकी, डॉ. समृद्धि सचदेव, डॉ. मुजफ्फर कुरैशी ने एक जागरूकता व्याख्यान भी दिया। पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट के असिस्टेंट प्रोफेसर और प्रोग्राम इंचार्ज सलमान खान ने हेल्दी लाइफस्टाइल, रेगुलर फिजिकल एक्टिविटी और हेल्दी खाने की आदतों को अपनाने की अपील की। उन्होंने जंक फूड से बचने, तंबाकू छोड़ने और सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन के बारे में जागरूकता बढ़ाने की सलाह दी। उन्होंने स्टूडेंट्स से अपने परिवारों और समुदायों में हेल्थ एंबेसडर के तौर पर काम करने का भी आग्रह किया। प्रोग्राम का समापन असिस्टेंट प्रोफेसर शोएब अली के नेतृत्व में एक शपथ समारोह के साथ हुआ, जिसमें स्टूडेंट्स ने जागरूकता फैलाने और हेल्दी आदतों को अपनाने की शपथ ली। कार्यक्रम में प्रोफेसर डॉ. राजकुमार माथुर, असिस्टेंट प्रोफेसर प्रहलाद बोहरा, डॉ. नूर हसन, डॉ. अहमद अब्दुल्ला खान, मारूफ शेख, मोहम्मद आमिर, रुइया जमाल, सुमैया, रशदा कुरैशी, डॉ. अब्दुल्ला खालिद, डॉ. अजीजुल हसन, डॉ. मरजीना सहित कई स्टूडेंट्स मौजूद रहे।

रकमा की जिला इकाई द्वारा मुख्यमंत्री के नाम अतिरिक्त जिला कलक्टर के माध्यम से ज्ञापन दिया गया

मोहम्मद अली पठान

चुरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राज. अधिकारी कर्मचारी माइनोरिटी एसोसिएशन (रकमा) की चुरू जिला ईकाई द्वारा सोमवार को माननीय मुख्यमंत्री महोदय के नाम ज्ञापन अतिरिक्त जिला कलक्टर श्रीमती अर्पिता सोनी को सौंपकर मांग की है कि राजस्थान में अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशासनिक कारण बताकर दुरस्थ स्थानों पर पदस्थापित/ स्थानान्तरण किया जा रहा है जो कि अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है। इस प्रकार से अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को परेशान ना करें। ज्ञापन देने वालों में रकमा जिला अध्यक्ष मोहम्मद नियाज खान पुर्व जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, डॉ. कादिर हुसैन प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष रकमा, मोहम्मद रमजान खान पुर्व जिला अध्यक्ष रकमा, अयुब खान वरिष्ठ विधी अधिकारी मेडिकल कॉलेज चुरू ने बताया कि प्रदेश नेतृत्व के

आदेशानुसार समस्त राजस्थान में जिला कलेक्टर एवं तहसील स्तर पर एसडीओ के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर मांग की गई है कि पिछले कुछ दिनों में राज्य सरकार द्वारा विभिन्न विभागों में प्रशासनिक कारण बताकर स्थानान्तरण/पदस्थापना की गई है जिस्म अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दुरस्थ स्थानों पर पदस्थापित किया गया है। इस तरह के स्थानांतरण में विधवा, परित्यकता, पुर्व सैनिक,पति-पत्नी की सर्विस, विकंलाग एवं राज्य स्तर पर पुरुस्कृत किये गये कार्मिकों एवं अधिकारियों को भी नहीं बख्शा गया है। जिससे अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों में निराशा की भावना पैदा हो रही है। रकमा संगठन के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. कादिर हुसैन ने बताया कि राज्य सरकार को इस तरह से प्रताड़ित कार्मिको से प्रर्तिवेदना लेकर राजधर्म का पालन करते हुए पुनर्विचार करते हुए इस तरह के स्थानांतरण/ पदस्थापना निरस्त करनी चाहिए या संशोधन करना चाहिए ताकि अल्पसंख्यक समुदाय में निराशा की बजाय आशा जागृत हो।

जिले के 15 यूनिट लीडर ने हासिल की हिमालय वुडबैज योग्यता

-यूनिट लीडर की सर्वोच योग्यता हासिल कर हुए तकनीकी दक्ष

-जिले की स्काउट गाइड प्रशिक्षण टीम होगी सशक्त और मजबूत

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड जिला मुख्यालय पाली के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है कि जिले के 10 स्काउट यूनिट लीडर एवं 05 गाइड यूनिट लीडर ने हिमालय वुडबैज कोर्स को सफलतापूर्वक पूर्ण कर यूनिट लीडर की सर्वोच्च तकनीकी योग्यता प्राप्त की है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि से जिले की स्काउट गाइड प्रशिक्षण टीम और अधिक सशक्त एवं मजबूत हुई है। सी.ओ. स्काउट गोविंद मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि मंडल प्रशिक्षण केंद्र पुष्कर घाटी, अजमेर में 01 फरवरी से 07 फरवरी 2026 तक आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय हिमालय वुडबैज कोर्स में पाली जिले से रिकॉर्ड संख्या में सहभागिता हुई। इस सात दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर में जिले के कुल 15 संभागियों ने भाग लिया तथा कठिन प्रशिक्षण एवं मूल्यांकन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूर्ण कर यूनिट लीडर की सर्वोच्च तकनीकी दक्षता अर्जित की। स्काउट विभाग की ओर से महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय खुडाला से कलाराम सोलंकी, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बिजौवा से लकमाराम चौधरी, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ठाकुरला से वजाराम राणा, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सापुनी से बस्तीराम, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खोखरा से शंकरलाल, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गुन्दोज से बलवीर पारगी, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बिराठिया कलां से बगदाराम सैन, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बख्तावरपुरा से विष्णु कुमार वर्मा, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आसरलाई से अविनाश राजपुरोहित एवं राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय मालवा से इम्तियाज खान ने शिविर में सहभागिता की। गाइड विभाग से राजकीय संस्कृत उच्च प्राथमिक विद्यालय दलपतगढ़ से भगवती कंसारा, के.एस. लोढ़ा पब्लिक स्कूल फालना से पूजा जोशी, राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय दुदिया से रामदेई, विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल बिजौवा से खुशबू गायत्री तथा एस.एम.बी. सीनियर सेकेंडरी स्कूल (अंग्रेजी माध्यम) रानी से सुमित्रा ने शिविर में भाग

लेकर यूनिट लीडर की सर्वोच्च योग्यता प्राप्त की। यूनिट लीडर के रूप में यह योग्यता न्यूनतम तीन वर्षों की सेवा के उपरांत प्राप्त होती है। सेवा प्रारंभ करने के छह माह बाद सात दिवसीय आवासीय बेसिक प्रशिक्षण कोर्स, उसके छह माह बाद सात दिवसीय आवासीय एडवांस कोर्स तथा एडवांस कोर्स के बाद एक वर्ष की सेवा अवधि में दो प्रोजेक्ट असाइनमेंट पूर्ण करने पर हिमालय वुडबैज कोर्स हेतु आवेदन की पात्रता प्राप्त होती है। राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र पचमढ़ी द्वारा चयन उपरांत सात दिवसीय आवासीय शिविर में सफलता प्राप्त करने पर हिमालय वुडबैज पार्चमेंट एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है। सी.ओ. गाइड डिंपल दवे ने बताया कि हिमालय वुडबैज कोर्स अत्यंत कठिन, अनुशासित एवं स्काउट गाइड की सूक्ष्म तकनीकी दक्षताओं पर आधारित होता है। जिले के 10 स्काउट एवं 05 गाइड यूनिट लीडरों द्वारा इस कोर्स को सफलतापूर्वक पूर्ण करना जिले के लिए बड़ी उपलब्धि है। इस उल्लेखनीय सफलता पर जिला प्रशिक्षण आयुक्त, जिला मुख्य आयुक्त प्रकाश चंद्र सिंघाड़िया, लीडर ट्रेनर स्काउट पुरुषोत्तम पुरी गोस्वामी, आलोक शर्मा सहित समस्त जिला संगठन पदाधिकारियों ने सभी सफल यूनिट लीडरों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। गौरतलब है कि बीते एक दशक में पाली जिले से 50 से अधिक हिमालय वुडबैज, 15 सहायक लीडर ट्रेनर तथा 03 लीडर ट्रेनर तैयार हो चुके हैं, जिससे जिले ने राजस्थान प्रदेश स्तर पर विशिष्ट पहचान स्थापित की है।

वार्ड स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में वार्ड नंबर 9 रही विनर

-समाजसेवी हाजी वक़ार अहमद के मुख्य आतिथ्य में हुआ समापन समारोह

मांगरोल (रॉयल पत्रिका) । फुटबाल क्लब वार्ड नं. 19 के तत्वावधान में आयोजित की जाने वाली चार दिवसीय वार्ड स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के चौथे दिन शुक्रवार को दिन के 3 बजे बावड़ी ग्राउंड में फाइनल मुकाबला खेला गया। इस प्रतियोगिता में वार्ड की 18 टीमों ने भाग लिया। आयोजन समिति के प्रेस प्रवक्ता मोहम्मद इलियास व मोहम्मद इरफ़ान ने बताया कि चौथे दिन का फाइनल मैच वार्ड नं. 9 बनाम वार्ड नं. 19 के बीच खेला गया। जिसमें वार्ड नं. 9 एक गोल से विजय रही। फुटबाल क्लब वार्ड नं. 19 के संरक्षक सेठ मोहम्मद अशफाक सदर ईदगाह कमेटी मांगरोल व अध्यक्ष जावेद अख्तर ने बताया कि फाइनल मैच के तुरन्त बाद समापन समारोह आयोजित किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि समाजसेवी हाजी वक़ार अहमद बीडी वाले अध्यक्ष खैरुन्निशा एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी रहे। अध्यक्षता मास्टर आबिद हुसैन पूर्व सचिव इन्तिजामिया कमेटी अंजुमन मदरसा ने की । विशिष्ट अतिथि में कांग्रेस युवा नेता दानिश डायमंड, समाज सेवी सेठ इन्साफ अली थे। प्रतियोगिता फाइनल में विजेता होने वाली टीम को बड़ा कप आयोजन समिति की और से दी गई एवं 3100 रुपए की राशी कालू भाई कबाड़ी की और से दी गई व प्रत्येक खिलाड़ियों को एक एक शील्ड आयोजन समिति द्वारा दी गई तथा द्वितीय पुरस्कार 2100 रुपए सेठ आशिक अली की और से एवं छोटा कप व प्रत्येक खिलाड़ियों को एक एक शील्ड आयोजन समिति द्वारा देकर सम्मानित किया गया। बेस्ट पीलियर

का इनाम वार्ड नं. 19 के खिलाड़ी मोहम्मद आकिब को हनी स्पोर्ट्स निसार भाई की और से शील्ड के साथ सम्मानित किया गया। गेम इंचार्ज में लियाकत हुसैन शारीरिक शिक्षक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चेहडिया, सतीश कुमार उर्फ मामा शारीरिक शिक्षक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पाठेड़ा, मोहम्मद अनीस आर. पी. समग्र शिक्षा अंता, आसिफ खान शारीरिक शिक्षक राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कागला बमोरी किशनगंज रहे। फ़ाईनल मुकाबले में रेफरी की भूमिका में आसिफ खान, मास्टर रफीक अहमद व मोइनुद्दीन ने निभाई। 3 फरवरी से 6 फरवरी तक आयोजित की गई प्रतियोगिता में सराहनीय कार्य करने पर आयोजिन समिति ने शारीरिक शिक्षको एवं सहयोग करने वाले वरिष्ठ खिलाड़ियों का भी माला, साफा व स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया गया, इसके बाद आयोजन समिति फुटबाल क्लब वार्ड नं. 19 वासियों ने आए हुए अतिथियों का भी माला साफा व स्मृति चिन्ह भेट कर स्वागत किया गया! वार्ड नं. 9 की जीत पर दर्शकों की ओर से आतिशबाजी कर खुशी मनाई। फूटबाल क्लब वार्ड नं. 19 ने दर्शको का भी अभिनन्दन किया।

हजरत चांद शाह का उर्स 13 फरवरी को

- झण्डे की रस्म 12 फरवरी को अदा की जायेगी

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। इरफान कुरैशी और मोहम्मद इश्तियाक ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी हजरत चांद शाह दरगाह कमेटी द्वारा सोजती गेट स्थित हजरत चांद शाह बाबा और हजरत जलालुद्दीन बाबा का उर्स 13 फरवरी 2026 को बाद नमाज-ए-ईशा तकरीर का प्रोग्राम आयोजित होगा। साजिद खान ने

बताया कि तकरीर में कर्नाटक से सैयद मोहम्मद फाजिल अशरफी और जोधपुर औलमा-ए-सुन्नत शिरकत करेंगे और मौलाना साजिद हुसैन रिजवी, मौलाना हाफिज जावेद कादरी की देखरेख में हर साल की तरह इस साल भी उर्स आयोजित होगा कार्यक्रम की तैयारी को लेकर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई। झण्डे की रस्म 12 फरवरी 2026 को अदा की जायेगी।

जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा की विशेष पहल पर जिले में पहली बार शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित हुई एजुहैक 2026 प्रतियोगिता प्रतिभाओं का किया सम्मान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा की विशेष पहल पर शिक्षा और तकनीक के समन्वय की दिशा में चूरू जिले में शनिवार को पेंशनर भवन में एजुहैक चूरू -2026' प्रतियोगिता आयोजित की गई। एजुहैक में विद्यार्थियों की सोच, कौशल और तकनीकी दक्षता का अद्भुत प्रदर्शन देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए लाइव वेबसाइट, एप्लीकेशन एवं डिजिटल पोर्टल्स ने उपस्थितों को प्रभावित किया।

इस मौके पर जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि विद्यार्थी पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ तकनीक को भी अपनाएं। आज का युग तकनीक का युग है। तकनीक और नवाचार के माध्यम से अपनी क्षमताओं का सतत विकास किया जा सकता है। इसलिए तकनीक और नवाचारों से अपनी क्षमताओं का संवर्धन करें और शैक्षिक उन्नयन के नए प्रयास करें। उन्होंने कहा कि

एजुहैक जैसे आयोजन विद्यार्थियों को केवल तकनीक सिखाने तक सीमित नहीं रखते, बल्कि उन्हें समस्या पहचानने, समाधान सोचने और समाज के लिए उपयोगी नवाचार करने की दिशा देते हैं। नई शिक्षा नीति 2020 का यही मूल उद्देश्य है कि विद्यार्थी रचनात्मक, आत्मनिर्भर और भविष्य के लिए तैयार हों। उन्होंने विद्यार्थियों की नवाचार क्षमता की सराहना करते हुए ऐसे कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखने की आवश्यकता पर बल दिया। सीडीईओ डॉ. संतोष कुमार महर्षि ने बताया कि इन नवाचारों के माध्यम से विद्यार्थियों ने विद्यालयी शिक्षा से जुड़ी वास्तविक समस्याओं के व्यावहारिक और तकनीकी समाधान प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों द्वारा विकसित किए गए कृषि, शिक्षा पोर्टल, लर्निंग सपोर्ट सिस्टम, स्टूडेंट हेल्प प्लेटफॉर्म और डिजिटल गाइडेंस टूल्स भविष्य में उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं।

प्रतिभाओं का किया सम्मान:-

इस मौके पर जिला कलक्टर सुराणा ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम स्थान पर रही छात्रा लक्ष्मी जांगिड़, द्वितीय स्थान पर रहे मयंक महर्षि तथा तृतीय स्थान पर रहे जाहिद खान व आशीष पारीक को सम्मानित किया। प्रथम पुरस्कार विजेता लक्ष्मी जांगिड़ ने मेंटर गौरव कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में कृषि मित्र मोबाइल एप्लीकेशन का निर्माण किया, जिसे राज्य स्तर पर अनुमोदन हेतु प्रेषित किया जाएगा। इसी के साथ जिला कलक्टर ने कोड चूरू में अच्छा प्रदर्शन करने पर भवानी शंकर, मूकुल भाटी, गौरव कुमार शर्मा एवं पुस्तकालय अभिरुचि में जनार्दन गहलोत को सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में चूरू जिले का गौरव बढ़ाने वाली पीएमश्री राउमावि खण्डवा की छात्रा भूमिका शर्मा एवं मेंटर राजेंद्र सुंडा को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर एडीपीसी सरिता आत्रेय, एसीपी नरेश कुमार छिम्पी, एपीसी हरिप्रसाद शर्मा, मेंटर जमील खान आदि मंचस्थ रहे तथा प्राचार्य सुनील कुमार शर्मा, प्रेमसिंह इन्दा, मुकुल भाटी, इनक्यूबेशन सेंटर एसीपी विनोद कुमारी, एफआईए निदेशक यतीश बेदी आदि ने निर्णायक की भूमिका निभाई। संचालन शिव कुमार शर्मा एवं मुकुल भाटी ने किया।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

दिल्ली के 9 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। राजधानी की नामी स्कूलों को मिली बम थ्रेट, सुबह 8:30 बजे से 9 बजे के बीच आईं सभी कॉल, दिल्ली पुलिस, बम स्कॉड की टीम पहुंची मौके पर।

डार-अल-अरकम स्कूल के नर्सरी छात्रों का डियर पार्क शैक्षणिक भ्रमण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। डार-अल-अरकम स्कूल के नर्सरी कक्षा के विद्यार्थियों को हाल ही में डियर पार्क के शैक्षणिक भ्रमण पर ले जाया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य बच्चों को प्रकृति और वन्यजीवों के बारे में व्यावहारिक ज्ञान देना था। डियर पार्क में बच्चों ने हिरणों और अन्य जानवरों को नज़दीक से देखा। बच्चों ने वहां बहुत आनंद लिया और नए-नए जानकारियाँ प्राप्त कीं। शिक्षकों ने बच्चों को जानवरों के जीवन, उनके भोजन और पर्यावरण के महत्व के बारे में सरल शब्दों में समझाया। इस भ्रमण से बच्चों में सीखने की रुचि बढ़ी और उनका अनुभव ज्ञानवर्धक रहा। स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों ने इस सफल आयोजन के लिए सभी का सहयोग सराहा। डार-अल-अरकम स्कूल में बच्चों के बौदिक विकास एवं नॉलेज बढ़ाने के लिए इस तरह के प्रोग्राम आयोजित होते रहते है।

उमराह पैकेज बुक कराने से पहले सावधानियाँ

उमराह के मुक़द्दस सफर को बुक कराने से पहले जायरीनों को क्या-क्या जानकारी होनी चाहिए और क्या क्या सावधानी बरतनी चाहिए। आज के इस लेख में और आने वाले कुछ हफ्तों तक लगातार मैं आपको यह जानकारी देने की कोशिश करूँगा ताकि आप ज़ेहनी तौर पर उमराह के मुक़द्दस सफर के लिए तैयार हो जायें और धोखेबाज़ी से बच सकें।

सबसे पहले यह जानते हैं कि उमराह का मुक़द्दस सफर, है क्या और उमराह क्यों करना चाहिए?

अपने शहर से रवाना होकर अहराम बांधने के बाद उमरे की नियत करके मक्का शरीफ जाकर तवाफ़ करना, सफा और मरवाह पहाड़ी के चक्कर लगाना और बालों का कटवाना ही उमराह कहलाता है। लेकिन उमराह के सफर पर जाने से पहले नमाज़ की पाबन्दी, नाराज़ लोगों को मनाना, हर हाल में अल्लाह का शुक्र अदा करना, सदक़ा देना, उमराह की दुआएँ सीखना, रोज़ खूब पैदल चलना, गुस्से से तौबा करना, सलाम की पहल करना, गलत बयानबाज़ी से बचना, अपने काम खुद करना और वापस आने के बाद इन आदतों को बनाये रखना ज़रूरी है।

हुज़ूर पाक सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का पाक इरशाद है कि

1. एक उमराह मराह दूसरे उमराह तक के दरमियानी हिस्से के लिए कफ़्फ़ारा है। बूढ़े और ज़ईफ लोगों का और औरतों का जिहाद हज और उमराह है।

2. जो शख़्स बैतुल मुक़द्दस से उमराह का अहराम बांधकर आये, उसके गुनाह बक्श दिये जायेंगे। अफ़ज़ल तरीन अमल नेकी वाला हज या नेकी वाला उमराह है।

3. अल्लाह जल्ले शानुहु की एक सौ बीस रेहमतें रोज़ाना उस घर पर नाज़िल होती हैं, जिनमें से साठ तवाफ़ करने वालों पर और चालीस वहां नमाज़ पढ़ने वालों पर और बीस बैतुल्लाह को देखने वालों पर होती हैं।

4. जिस शख़्स ने मेरी क़ब्र की ज़ियारत की, उसके लिए मेरी शफाअत ज़रूरी हो गयी। बैतुल्लाह का तवाफ़ बहुत कसरत से किया करो।

5. मुताबअत करो दरमियान हज और उमराह के, कि वे दोनों मुफलिसी और गुनाहों को ऐसा दूर करते हैं, जैसा आग की भट्ठी लोहे और सोने चांदी के मेल को दूर कर देती है।

6. हुज़ूरे पाक सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फरमाया कि रमज़ान में उमराह करना मेरे साथ हज करने के बराबर है।

7. हज करने वाले और उमराह करने वाले अल्लाह जल्ले शानूह के वफ्द है। अगर वे लोग दुआ मांगें तो अल्लाह जल्ले शानुहु उनकी दुआ कुबूल करता है और अगर वे मगफ़िरत चाहें तो उनके गुनाहों की मगफ़िरत फरमाता है। एक बात हमेशा याद रखिये कि सस्ता उमराह पैकेज कभी अच्छा नहीं होता, और अच्छा उमराह पैकेज कभी सस्ता नहीं होता।

आज के लिए बस इतना ही, बाकी अगले हफ्ते इंशा अल्लाह। खुदा हाफिज।

अब्दुल हमीद मंसूरी
(8952937611)
मालिक उमराह ट्यूर ऑफ़ इंडिया

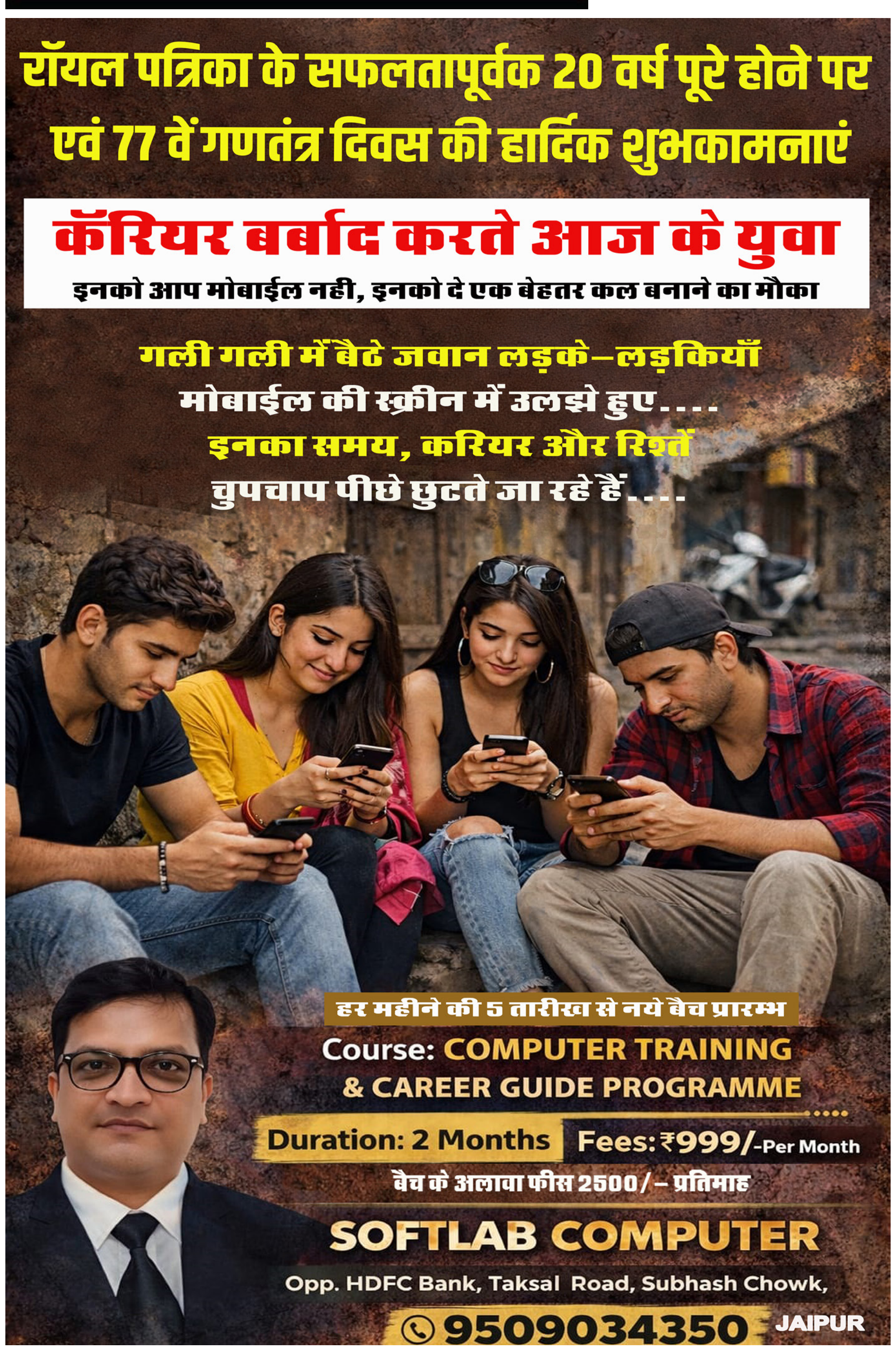

भारत में मुसलमानों की आबादी कभी भी हिंदुओं से अधिक नहीं होगी- ओवैसी

हैदराबाद। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष और हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि भारत में मुस्लिम आबादी कभी भी हिंदू आबादी से अधिक नहीं होगी। उन्होंने यह बात तेलंगाना में नगर निगम चुनाव से पहले निजामाबाद में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए कही। ओवैसी ने कहा कि जनसंख्या को लेकर डर और भ्रम फैलाने की बजाय सरकार को युवाओं के भविष्य और रोजगार पर ध्यान देना चाहिए। ओवैसी ने अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राज्यसभा में दिए हालिया संबोधन का जिक्र किया, जिसमें भारत को युवा आबादी वाला देश बताया गया था। इस पर सवाल उठाते हुए ओवैसी ने कहा कि अगर देश की 60 प्रतिशत आबादी 40 साल से कम उम्र की है, तो सरकार ने उनके रोजगार और कौशल विकास के लिए क्या ठोस कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले 20–25 वर्षों में यही युवा आबादी बुजुर्ग होगी, तब बढ़ती महंगाई और खर्च का बोझ भी बढ़ेगा, जिसकी चिंता अभी से करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ लोग लगातार यह प्रचार करते हैं कि मुसलमानों की आबादी तेजी से बढ़ रही है, जबकि हकीकत यह है कि जनसंख्या वृद्धि दर धीरे-धीरे स्थिर हो रही है। ओवैसी ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के तीन बच्चे पैदा करने वाले बयान पर भी तंज कसा और कहा कि पहले जनसंख्या नियंत्रण की बात होती थी, अब बढ़ती उम्रदराज आबादी को लेकर चिंता जताई जा रही है। ओवैसी ने टी-20 विश्व कप से जुड़े मुद्दे पर भी प्रतिक्रिया दी और पाकिस्तान टीम के भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलने की बात को लेकर केंद्र सरकार पर नरम रुख अपनाने का आरोप लगाया। साथ ही उन्होंने चीन सीमा विवाद के मुद्दे पर भी केंद्र सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाए।

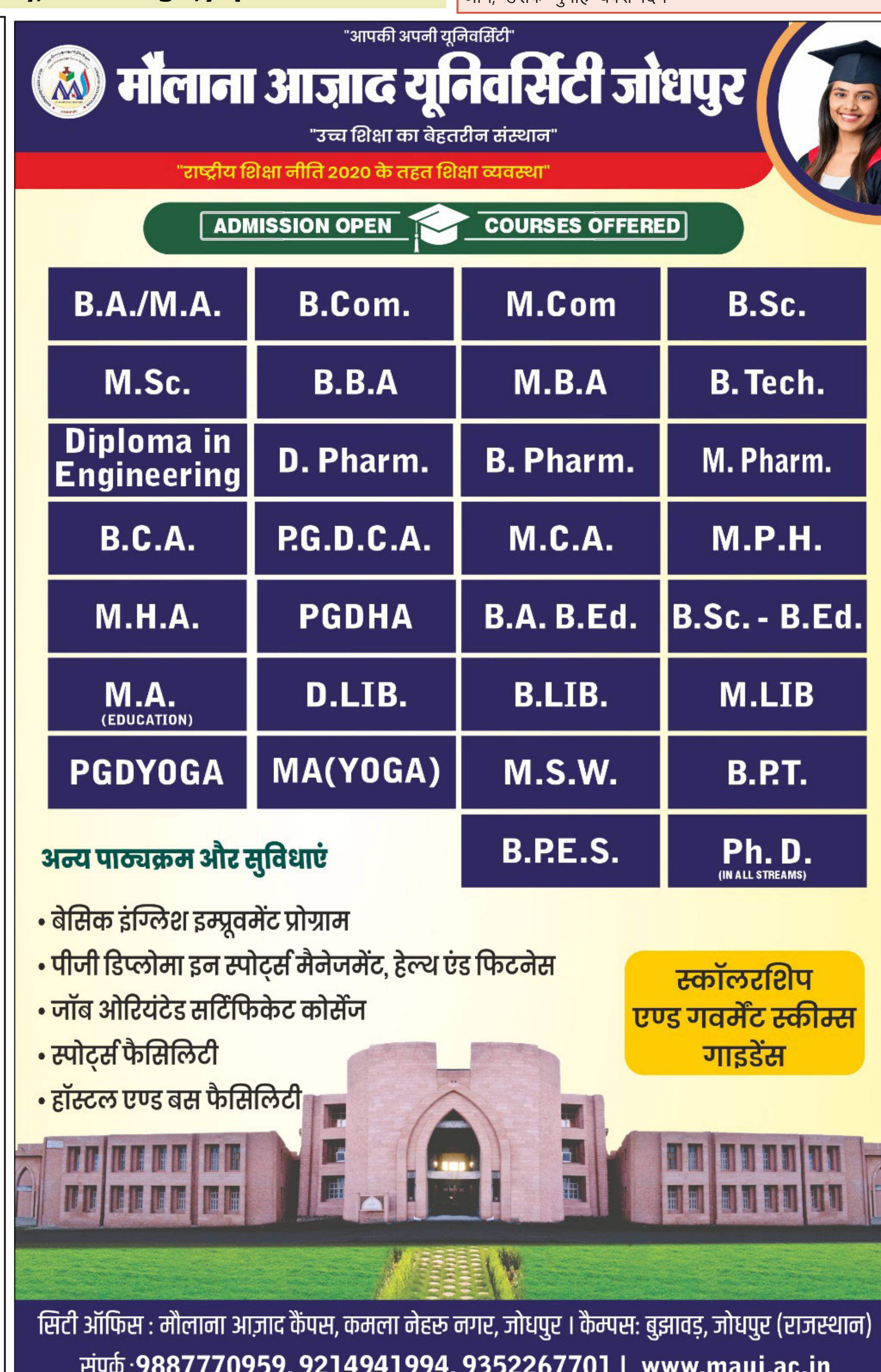

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये अम्बर ऑफसेट प्राईवेट लिमिटेड, 3 A, डी.एल. टॉवर, विध्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल:rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com